हरिभूमि
रायपुर भूमि

■ 25 अक्टूबर से 250 क्यूसेक रॉ वाटर खरीदेगा नगर निगम

■ सिंचाई विभाग करेगा आपूर्ति, 9 माह तक गंगरेल के भरोसे शहर

री-सर्कुलेशन प्लांट से 50 लाख लीटर शुद्ध पानी

नगर निगम के फिल्टर प्लांट से जल शुद्धिकरण के दौरान रोजाना 80 लाख लीटर वेस्ट वाटर बिना उपयोग किए नाले में बहा दिया जाता है, इस वेस्ट वाटर को उपचारित कर दोबारा पेयजल के रूप में उपयोग करने भाठागांव में ▶▶ शेष पेज 11 पर

नदी का नेचुरल फ्लो बंद, अब गंगरेल के पानी से बुझेगी प्यास, 25 से आएगा बांध का पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बारिश का सीजन खत्म होने के बाद अब खारुन नदी में प्राकृतिक स्त्रोतों से पानी पहुंचना बंद हो गया है। इस वजह से नगर निगम सिंचाई विभाग से पानी खरीदकर शहरवासियों की प्यास बुझाएगा। 25 अक्टूबर से गंगरेल बांध से पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। प्रतिदिन 250 क्यूसेक रॉ वाटर की खपत शहर में होती है। इसे देखते हुए फिल्टर प्लांट के अधिकारियों ने सिंचाई विभाग को पत्र लिखकर पेयजल संबंधी डिमांड से अवगत करा दिया है।

दरअसल प्राकृतिक स्त्रोतों से शहर की पेयजल आपूर्ति पर 9 माह के लिए विराम लग गया है। नगर निगम का जल विभाग गंगरेल बांध का पानी खरीदकर लोगों ▶▶ शेष पेज 11 पर

250 क्यूसेक रॉ वाटर की डिमांड

बारिश का सीजन खत्म होने के बाद प्राकृतिक स्त्रोतों से पानी आना बंद हो गया है। 25 अक्टूबर से रोजाना 250 क्यूसेक रॉ वाटर की जरूरत पड़ेगी। गंगरेल बांध से जल आपूर्ति करने सिंचाई विभाग को पत्र लिखा गया है।

- **नरसिंग फरेंद,** प्रभारी अधिकारी फिल्टर प्लांट, नगर निगम, रायपुर

15 साल का एग्रीमेंट 2030 में पूरा होगा

गंगरेल बांध में शहर के लिए हर साल 3.15 टीएमसी पानी सुरक्षित रखा जाता है। निगम के जल विभाग ने शहरवासियों के लिए पानी की डिमांड ध्यान में रखते हुए वर्ष 2015 में जल संसाधन विभाग के साथ 15 साल के लिए एग्रीमेंट किया था। यह समयसीमा वर्ष 2030 तक है। इसके मुताबिक, गंगरेल में शहर के लिए 3.15 टीएमसी रॉ वाटर प्रतिवर्ष के हिसाब से रिजर्व रखा जाता है। शहर के विस्तार को देखते हुए वर्ष 2030 में होने वाले नए अनुबंध में गंगरेल से शहर के रिजर्व वाटर की मात्रा को 3.15 टीएमसी से बढ़ाकर 4 टीएमसी करने निगम ने शासन को पत्र लिखा है। यह कार्य भविष्य में पानी की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखकर किया गया है।

खबर संक्षेप

सूने मकान का ताला तोड़कर 70 हजार की चोरी

रायपुर। खमतराई थाने में एक व्यक्ति ने अज्ञात चोर के खिलाफ सूने मकान का ताला तोड़कर 70 हजार रुपए के सोने-

चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिवानंद नगर निवासी सी. राजू ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। सी. राजू ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर ने 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर के बीच उसके सूने मकान का ताला तोड़ घर के अंदर दाखिल होकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

दुकान का ताला तोड़कर पार किए दो लाख

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक कारोबारी ने अज्ञात चोर के खिलाफ दुकान की खिड़की का ग्रिल तोड़कर अलमारी में रखे दो लाख रुपए चोरी कर ले जाने

की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पचपेड़ीनाका स्थित देव ऑटो सेंटर के संचालक देवेंद्र ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। देवेंद्र ने पुलिस को बताया कि कोई अज्ञात चोर उनकी दुकान की खिड़की में लगी लोहे की ग्रिल काटकर दुकान के अंदर प्रवेश किया और स्टील की आलमारी का ताला तोड़कर लॉकर में रखी नकदी रकम चोरी कर ले गया।

बच्चों को घर जाने कहा तो ईंट से किया हमला

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक मजदूर ने एक युवक के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अनिल

यादव ने चेतन नामदेव के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अनिल ने पुलिस को बताया कि शनिवार रात साढ़े 10 बजे शीतला चौक मठपारा में कुछ बच्चे बैठे हुए थे, जिन्हें अनिल ने घर जाने के लिए कहा। इस बात से नाराज होकर चेतन ने अनिल के साथ गाली-गलौज की तथा पास पड़ी ईंट से अनिल पर हमला कर दिया।

दफ्तर की खिड़की तोड़कर मोबाइल चोरी

रायपुर। हाउसिंग बोर्ड कालोनी शंकर नगर स्थित निजी दफ्तर की खिड़की की ग्रिल तोड़कर चोरों ने मोबाइल सहित दस हजार के सामान पर हाथ साथ

साफ कर दिया। पंडरी इलाके में रहने वाले राजेश नामक युवक ने मामले की शिकायत सिविल लाइंस थाने में की गई है। प्रार्थी ने अपनी शिकायत के बताया कि वह शहर से बाहर गया था और वापस आने पर जब वह ऑफिस आया तो चोरी का पता चला। चोरों ने खिड़की की सेफ्टी ग्रिल को सरिया को फैलाकर, मोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन में रोजाना औसतन 150 से 170 यात्री ही कर रहे सफर

विशाखापट्टनम जाने वाली वंदे भारत में रोज 800 सीटें खाली, खर्च भी नहीं निकल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू हुए एक महीना पूरा गया है, लेकिन ट्रेन में सफर के लिए बुकिंग की रफ्तार अब भी बेहद धीमी है। ट्रेन के परिचालन से रेलवे को किसी भी तरह का आर्थिक लाभ अभी तक नहीं हो रहा है। दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए महीनेभर बाद भी रोजाना 800 से अधिक सीटें खाली जा रही हैं। रोजाना 20 प्रतिशत सीटों की ही बुकिंग हो रही है, जिसमें ट्रेन का मेंटेनेंस खर्च निकाल पाना भी मुश्किल है। यात्रियों के न मिलने से अब रेलवे बिलासपुर-नागपुर की तरह इसके कोच घटाने का फैसला ले सकता है। वर्तमान में विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस 16 कोच के साथ चल रही है, जिसमें केवल 2 से 3 कोच में यात्री सफर कर रहे हैं। बाकी दर्जनभर से अधिक कोच रोजाना खाली रहते हैं। किराया अधिक होने से ज्यादातर यात्री लिंक एक्सप्रेस में सफर कर रहे हैं। इसमें स्लीपर का किराया 315 रुपए और थर्ड एसी का 855 रुपए है। वंदे भारत के ईसी कोच में रायपुर से विशाखापट्टनम का किराया खाने के साथ 2695 और सीसी कोच में 1495 रुपए है।

हरिभूमि सरोकार

लगातार नुकसान के बाद अब रेलवे कर सकता है बदलाव, कोच घटाने की संभावना

दीपावली के बाद बदलाव की संभावना

दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन के चलने को लेकर यात्रियों में कोई खास उत्साह फिलहाल नहीं दिख रहा। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह महंगा किराया होना बताया जा रहा है। यहीं कारण है कि दोनों तरफ से वंदे भारत आधी खाली सीटों के साथ दौड़ रही। रेलवे सूत्रों के अनुसार, दशहरा-दिवाली पर्व तक यह देखा जा रहा कि वंदे भारत ट्रेन को कितने यात्री मिल सकते हैं। अगर आगे भी इसी तरह से सीटें खाली रहीं तो बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत ट्रेन की तरह इसके कोच भी कम किए जाएंगे। 1128 सीटों वाली दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन में रोजाना औसतन 150 से 170 यात्री ही सफर कर रहे हैं।

ये है दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत का किराया

- एग्जीक्यूटिव क्लास में ब्रेकफास्ट, चाय और लंच के साथ किराया 2,825 रुपए।
- एग्जीक्यूटिव क्लास में बिना नाश्ते के किराया 2,410 रुपए
- चेयरकार में ब्रेकफास्ट, चाय, और लंच के साथ किराया 1565 रुपए
- चेयरकार में बिना नाश्ता-पानी के किराया 1205 रुपए।

सीसी कोच में 836 और ईसी कोच में 51 सीटें खाली

विशाखापट्टनम जाने के लिए वंदे भारत को अब रोजाना 200 यात्री मिल रहे हैं, लेकिन वापसी में यात्रियों की संख्या इससे भी कम है। ज्यादातर लोग वापसी में सामान्य एक्सप्रेस ट्रेन से रायपुर लौट रहे हैं, इसलिए बुकिंग काफी कम है। वंदे भारत में फिलहाल वही यात्री सफर कर रहे हैं, जो भ्रमण के दृष्टि से विशाखापट्टनम जा रहे हैं। बाकी एक्सप्रेस ट्रेनों में वेटिंग सामान्य है। आसानी से लोगों को टिकट मिल रहा है। 19 अक्टूबर को रायपुर से विशाखापट्टनम जाने शाम 7 बजे तक वंदे भारत के सीसी कोच में 836 और ईसी कोच में 51 सीटें खाली थीं।

शाम होने के बाद हल्की बूंदाबांदी, चलती रही चांद की आंख मिचौली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अरब सागर से आने वाली नमी के प्रभाव से शहर में दिनभर छाए बादलों से शाम होने के बाद बूंदाबांदी हुई। बादलों की वजह से रात में करवा चौथ के चांद की आंख-मिचौली चलती रही। दिनभर गहरे बादल दोपहर काफी देर तक गरजते रहे और शाम इसने उमस से राहत भी दिलाई। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, राज्य में भारी मात्रा में अरब सागर से नमी का प्रवेश हो रहा है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी में सोमवार को सिस्टम तैयार होने वाला है। इसका प्रभाव पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश नजर आया। बस्तर के कई हिस्सों में चार से एक सेमी. तक बारिश होती रही।

■ छाए बादलों ने दिलाई उमस से राहत, दोपहर में गरजते भी रहे

मध्य और उत्तरी हिस्से में बादल छाए रहे, जिसकी वजह से दिन का अधिकतम तापमान एक से डेढ़ डिग्री तक लुढ़ककर सामान्य स्थिति में आ गया और दिन की चिपचिपी गर्मी समाप्त हो गई। दोपहर होने के बाद काफी देर तक बादलों की गड़गड़ाहट होती रही और बारिश की स्थिति बनती रही। देर शाम बेहद हल्की बूंदाबांदी हुई। बादलों का असर रात तक नजर आया, जिसकी वजह से करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं को चांद देखने के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। चांद अपने निर्धारित समय पर उदय हुआ, मगर बादलों के बीच उसकी आंख-मिचौली काफी देर तक चलती रही। इधर मौसम में हुए बदलाव की वजह से अगले दो दिन तक लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इसके बाद पुनः तापमान बढ़ने से उमस की वापसी होगी। प्रदेश के तापमान में सार्थक गिरावट दीपावली के दौरान यानी माह के अंतिम दिनों होने के आसार बन रहे हैं।

राज्योत्सव 4 से 6 नवंबर तक आएंगे उपराष्ट्रपति धनखड़

■ दीपावली के कारण तारीखों में बदलाव

■ आचार संहिता का भी हो सकता है असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ का राज्योत्सव 4 से 6 नवंबर तक मनाया जाएगा। जानकारी मिली है कि नवा रायपुर में आयोजित मुख्य समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे और 6 तारीख को समापन के अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। हालांकि राज्य सरकार ने अब तक इन कार्यक्रमों का आधिकारिक ब्योरा जारी नहीं किया है।

छत्तीसगढ़ का राज्योत्सव 1 नवंबर को मनाया जाता है, लेकिन इस बार दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर को होने तथा उसके बाद 2 नवंबर को गोवर्धन पूजा और उसके बाद 3 तारीख को भाईदूज है। लोग इस दौरान त्योहार में व्यस्त होते हैं, इसलिए राज्योत्सव 1 तारीख को मना पाना संभव नहीं हो रहा है। राज्योत्सव की तारीखें भी आधिकारिक रूप से जारी नहीं की गई हैं, लेकिन प्रदेश सरकार ने मुख्य समारोह और जिलों में होने वाले दो दिनों के कार्यक्रमों की तैयारी के निर्देश दिए हैं। सरकार ने ये भी कहा है कि 1 नवंबर से प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में रोशनी की जाए।

कार्यक्रम की रूपरेखा ऐसी

बताया गया है कि राज्योत्सव के दौरान 4 नवंबर को नवा रायपुर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित है। इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। साथ ही मुंबई के कलाकारों द्वारा कार्यक्रम पेश किया जाएगा। इसके बाद अगले दिन 5 तारीख को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा। 6 को समापन समारोह के दिन राज्य अलंकरण दिए जाएंगे। जानकारों के अनुसार, कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तावित है, अंतिम समय तक कार्यक्रम में फेरबदल संभव है।

आचार संहिता का पड़ेगा असर?

छत्तीसगढ़ में इस बार हो रहे राज्योत्सव पर त्योहारों के कारण तो असर हो ही रहा है। साथ ही ये सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या चुनाव आचार संहिता का भी इस पर असर पड़ेगा? दरअसल रायपुर दक्षिण विधानसभा चुनाव के लिए पिछले दिनों आचार संहिता लागू हो चुकी है। यह 23 नवंबर परिणाम आने तक लागू रहेगी। इस हिसाब से अटकलें हैं कि चुनाव आचार संहिता से राज्योत्सव समारोह प्रभावित हो सकता है। हालांकि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि आचार संहिता रायपुर दक्षिण क्षेत्र में प्रभावी होगी, लेकिन इसी बीच नवा रायपुर स्थित सरकारी कार्यालयों में आचार संहिता का पालन किया जा रहा है। इसी आधार पर कहा जा रहा है कि नवा रायपुर में होने वाले राज्योत्सव कार्यक्रम पर आचार संहिता का असर हो सकता है।

पौने दो क्विंटल गांजा जब्त, अफीम भी बरामद धरे गए पांच तस्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मंदिर हसौद, आमानाका तथा खमतराई पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए एक क्विंटल 84 किलो गांजा तथा साढ़े चार सौ ग्राम अफीम जब्त की है। गांजा तस्करी के आरोप में पुलिस ने राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ के चार तस्करों को तथा अफीम बेचने की फिराक में घूम रहे पंजाब के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राजस्थान के तस्कर छत्तीसगढ़ पासिंग की लग्जरी कार में ओडिशा से गांजा तस्करी ▶▶ शेष पेज 11 पर

■ गांजा तस्करी में राजस्थान के दो, छग के दो तथा अफीम तस्करी में पंजाब का एक तस्कर गिरफ्तार

अफीम के साथ पंजाब का तस्कर गिरफ्तार

एक अन्य मामले में खमतराई पुलिस ने पंजाब जालंधर निवासी परमजीत सिंह को अफीम बेचने ग्राहक तलाश करते उरकुरा के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, परमजीत पंजाब से अफीम लाकर हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों को बेचने की फिराक में था।

शपथपत्र पर ही भरोसा, दूसरी सूची में सीएमएचओ और सिविल सर्जन

मैं शपथ लेता हूं...निजी प्रैक्टिस नहीं, फिर 70 की सूची जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नॉन प्रैक्टिस अलाउंस लेने वाले डॉक्टरों की निगरानी के बजाय विभाग द्वारा उनसे लिए गए शपथ पत्र पर भरोसा जताया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अपने डॉक्टरों की सूची सार्वजनिक करने के बाद स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से भत्ता प्राप्त करने वाले 70 सीएमएचओ और सिविल सर्जन की सूची जारी की गई है। नियम के मुताबिक, इस प्रकार का भत्ता लेने वाले चिकित्सक निजी अस्पतालों में जाकर अपनी सेवा नहीं दे सकते।

पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य विभाग में अव्यवसायिक भत्ते का मामला गरमाया हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री से लेकर विभागीय अफसर तक अलाउंस लेने के बावजूद प्रायवेट अस्पतालों में अपनी सेवा देने वाले डॉक्टरों को लेकर गंभीर हैं। इन पर रोक लगाने के लिए भत्ता प्राप्त करने वाले तमाम ▶▶ शेष पेज 11 पर

अस्पतालों से भी शपथपत्र

स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के बाद प्रायवेट प्रैक्टिस में छूट दी गई है, मगर वे किसी प्रायवेट अस्पताल से अटैच नहीं हो सकते। इस पर रोक लगाने के लिए निजी अस्पतालों से भी आयुष्मान योजना के तहत शपथपत्र मांगा गया है कि उनके संस्थान में कोई शासकीय चिकित्सक पूर्णकालिक, अंशकालिक अथवा ऑनकॉल प्रैक्टिस तो नहीं कर रहे हैं?

मेडिकल और डेंटल के पीजी डाक्टर देंगे शपथपत्र नहीं करते प्रायवेट प्रैक्टिस

ई-मेल से कर सकते हैं शिकायत

स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा एनपीए लेने वाले प्रभारी अधिकारियों की सूची के साथ नियम की अवहेलना करने वाले डॉक्टरों की शिकायत के लिए एक विभागीय ई-मेल भी जारी किया गया है। कहा गया है कि इन डॉक्टरों द्वारा अगर प्रायवेट प्रैक्टिस की जाती है तो शिकायत की जाए, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इस मामले में किसी तरह की व्यवस्था जारी नहीं की गई है।

निजी अस्पतालों में ज्यादा सर्जरी

कुछ साल पहले विभागीय अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज से संबंधित अस्पतालों की तुलना में प्रायवेट हास्पिटलों में ज्यादा सर्जरी होने पर आपत्ति की थी। उस दौरान सरकारी डॉक्टरों के प्रायवेट अस्पताल में काम करने का मामला भी सामने आया था। तब अस्पतालों से विभागवार होने वाली साप्ताहिक सर्जरी की जानकारी जुटाने के निर्देश दिए गए थे, मगर मामला ठंडा पड़ गया था।

पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पैतृक संपत्ति के बंटवारे के विवाद पर विधानसभा के ग्राम भुरकोनी में भाइयों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज किया है। गांव में रहने वाले सुरेश भारती ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके पैतृक मकान का बंटवारा समाज के लोगों के द्वारा किया गया है। मंझला भाई सुरेश भारती रविवार की शाम प्रार्थी के घर आया और हिस्से में अच्छा मकान नहीं देने का आरोप लगाकर विवाद करने लगा। विरोध पर वह और आक्रोशित हो गया और गाली-गलौज करते हुए प्रार्थी का सिर खड़ी बाइक पर दे मारा। पिता सहित आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पुलिस अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

एनआरआई कांडः डॉलर या पाउंड

एनआरआई कोटे से एडमिशन लेने वाले छात्रों के दस्तावेज देखने के लिए बनी टीम दो दिन से खाली बैठी है। मतलब इतनी खाली कि टाइम पास तक नहीं हो रहा है। कुर्सी पर बैठते हैं, वाट जोहते हैं और जब कोई नहीं आता तो खड़े होकर टहलने लगते हैं। खबरी बता रहा था कि एनआरआई वाले करोड़पति छात्र आना चाहते हैं लेकिन जो सवाल उनसे पूछे जाने हैं उन्हें सोचकर नहीं आ रहे। मसलन, एनआरआई रिश्तेदार कौन है? कालेज की फीस डॉलर में जमा की या पाउंड में। सर्टिफिकेट कैसे बनवाया गया। वंशावली कहां हैं। अब इन सबके जवाब कहां से देंगे। क्योंकि सब गोलमाल हो गया है।

एनआरआई कांडः चलो हाईकोर्ट

43 छात्रों ने एनआरआई कोटे से काउंसिलिंग के दूसरे राउंड में एडमिशन लिया। उन्हें सुनवाई का अवसर दिया। दो ही पहुंचे। खबरी बता रहा था कि बाकी सब आपस में बैठे। चर्चा की। अपनी कमजोरियों पर बात की गई। तय किया गया कि कमेटी के पास जाने से कोई फायदा नहीं। वहां जाकर अपनी फजीहत ही होगी। सबका लफड़ा सामने आ जाएगा। सो कोर्ट की शरण में जाने की योजना बनाई गई है। महंगा वकील तलाश किया गया है। योजना है कि किसी तरह से स्टे मिल जाए। उसके बाद प्रवेश ले लिया जाए। जब तक आखिरी फैसला आएगा, तब तक एमबीबीएस हो सकती है। उसके बाद कौन पूछता है।

हैप्पी बर्थडे का सहारा

राजनीति में आकर कुछ पहचान बनाने और नेता बनने का शौक पालने वाले कई नेताओं को राजनीति में बुरे दौर का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए सबसे बुरे दिन वे होते हैं, जब उनके पास कोई पद नहीं होता। ऐसे कठिन समय में भी नेतागिरी का भूत इन लोगों से क्या नहीं कराता। खुद का प्रचार करने के लिए कुछ नए-नवेले नेता अपना हैप्पी बर्थडे जमकर मना रहे हैं। अपने घर के बाहर और आसपास जन्मदिन की बधाईयों वाले पोस्टर भी खुद ही बनवाकर लगा रहे हैं। इन लोगों की चोरी ऐसे पकड़ी जा रही है कि जन्मदिन की तारीख पोस्टर पर नहीं लिखवा रहे हैं, ताकि पोस्टर फट जाने तक ये सस्पेंस बना रहे कि हैप्पी बर्थडे किस दिन था।

अब परमानेंट भूतपूर्व

सियासत में आकर एक बार कोई बड़ा पद, पदवी पा लेने वाले नेता चाहते तो यही हैं कि उन्हें फिर से मौका मिले और वे कम से कम अपनी नाम पट्टिका गाड़ी में लगा सकें, या अपने घर के पास ही बोर्ड लगाकर पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री या कोई और पदवी लिखवा सकें। लेकिन हम देख रहे हैं कि ऐसे बहुत से नेताओं के लिए दूसरी बार कोई पद-पदवी का मौका ही नहीं बन रहा है। लिहाजा ऐसे कई नेताओं ने अब भूतपूर्व विधायक, भूतपूर्व मंत्री का परमानेंट बोर्ड बनवा लिया है।

साहब, बीवी और गुलाम

हाल ही में एक युवा ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली। लंबा-चौड़ा सुसाइड नोट छोड़कर चला गया। उसके बाद जो कहानी सामने आ रही है वह फिल्मी स्टोरी से कम नहीं है। हुआ यह कि एक साहब की बीवी ने ठेकेदार से दोस्ती की। दोनों ने साथ साथ खूब काम किया। फिर अचानक तीसरे की एंट्री हुई। फिर विवाद हो गया। पहले वाले ने विरोध किया तो उसका काम धंधा बंद करा दिया गया। यहां तक जिस जिम में महिला से दोस्ती हुई, वहां उसका जाना बंद करा दिया गया। पीछे गुंडे लगा दिए गए। तंग आकर उसने जान दे दी। मरने से पहले एक पेन ड्राइव में कच्चा चिट्ठा सेव करके चला गया। लेकिन कहानी में यही से मोड़ आ गया है-पेन ड्राइव गायब बताई जा रही है। इसके पीछे कौन है...यह सस्पेंस है।

गुटखा जलाने वाला रिटर्न

बिना सांठगांठ के कुछ नहीं हो सकता, क्योंकि अंदरूनी तौर पर कहीं न कहीं इनको सपोर्ट रहता है। दूसरा ये कि कोई गलती पकड़ी गई तो कार्यवाही के नाम पर कागजी खानापूर्ति तो हो ही जाती है। उस कंपनी को बैन कर दें तो मालिक दूसरी कंपनी बनाकर फिर से पुराने काम में लग जाता है। पूरा सिस्टम इनको ही सपोर्ट करता है। साहब, जनता तो केवल निचोड़ने के लिए ही बनी है। इनके आगे सब लाचार हैं। मसला किसी भी विभाग का हो, उनके लिए कमाई का जरिया बंद नहीं होता, बस जुगाड़ सही हो। अब इन्हें देखिए न, भरी बरसात में करोड़ों का गुटखा जलाने वाले डॉक्टर को फिर से उसी जगह बिठा दिया, जहां से हटाया गया था।

प्रभारी को एनपीए, उठे सवाल

स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों के एनपीए का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ है। इस बीच स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा प्रभारी अधिकारियों को भत्ते का हकदार बताने से विभागीय चिकित्सकों में मनमुटाव की स्थिति बनने लगी है। प्रभारी सीएमएचओ को इसके लिए पात्र माने जाने से अपात्र माने जाने वाले ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर नाराज हैं। तर्क दिया जा रहा है कि प्रदेश में सीएमएचओ का स्थायी पद नहीं है। जब पद स्थायी नहीं है तो एनपीए भत्ते के लिए वे कैसे स्थायी हकदार हो सकते हैं?

भंग हुआ यूडीएफए

कोलकाता मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के विरोध में प्रदर्शन करने का साइड इफेक्ट प्रदेश में सक्रिय यूडीएफए पर हुआ है। प्रदर्शन को समर्थन देने की वजह से युवा चिकित्सक पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने लगाया। राष्ट्रीय स्तर के नेता अध्यक्ष बदलने की सोच ही रहे थे, इससे पहले चिकित्सकों ने सामूहिक इस्तीफा देकर पार्टी ही बदल दी। राज्य में चिकित्सकों के स्थानीय मुद्दों पर संघर्ष करने के लिए छत्तीसगढ़ डॉक्टर फेडरेशन का उदय हो गया।

दक्षिण की चर्चा ...

शहर में उपचुनाव को लेकर काफी हल्ला मचा हुआ है। कैंडिडेट कौन होगा, पैराशूट लैंडिग वाला कैंडिडेट रहेगा या लोकल। जितने मुंह उतनी बातें। नेताजी ने नामांकन भरा तो चंगू-मंगू कहने लगे, अब यही पार्टी के कैंडिडेट होंगे। पर कैंडिडेट डिक्लेयर करने में अपोजिशन वाले बाजी मार गए। पार्टी का डंडा-झंडा उठाने वाले बिफर उठे। एक ने कहा, ये तो गजब का खेला हो गया। दूसरे ने टांट कसी, पांच साल से विलुप्त प्राणी फिर आएगा, गली-गली वोट मांगने। तीसरे ने भी जुमला उछाल दिया, 20 साल से नेतागिरी कर रहे, ये ही लड़ेंगे तो हम क्या चटाई उठाने आए हैं, बात खतम।

पैसे कमाने वाले साहब ...

व्हाइट हाउस में सालों से अंगद की तरह पांव जमाए बैठे अफसर पर खुन्नस निकालने वाले बतिया रहे थे, पार्टी कोई भी हो, अपने साहब सबको अपने शीशे में उतार ही लेते हैं। ऐसा फार्मूला बताते हैं कि नेताजी मना नहीं कर पाते। दूसरे ने कमेंट पास किया, पैसे कमाने का आयडिया देने वाले साहब जो ठहरे, उनका कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता। तीसरे ने जवाब दिया कि शहर का बेड़ागर्क करने वाले नेता और अधिकारी को तो नया रायपुर शिफ्ट कर देना चाहिए। उन्हें वहां जो प्रयोग करना है, करें। वहीं बिल वाउचर फाड़ें, यहां उनका क्या काम।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा।

प्रदेश चुनाव समिति की बैठक, बना प्रत्याशियों का पैनल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- जल्द होगी कांग्रेस प्रत्याशी के नाम की घोषणा

दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के चुनाव के लिए कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में प्रत्याशी चयन पर विचार-विमर्श किया गया। समिति ने चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी नामों पर विचार करने के बाद पैनल एआईसीसी को भेजने का निर्णय लिया है। नमें प्रमोद दुबे, आकाश शर्मा के नाम का पैनल बनाया गया है। बताया गया है कि प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने एआईसीसी की बैठक को देखते हुए प्रदेश चुनाव समिति को जल्द पैनल भेजने के निर्देश दिए थे। प्रदेश चुनाव समिति की बैठक अचानक बुलाई गई। नेताओं ने उन सभी नामों पर विचार किया। उनका बायोडाटा और अन्य जानकारी आलाकमान को भेज दी है। बताया गया है कि नामों की घोषणा एक-दो दिन में कर दी जाएगी। नामांकन के लिए चार दिन का समय शेष है, ऐसे में मंगलवार तक इस पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

ये रहे मौजूद

प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, गुरु रूद्रकुमार, जयसिंह अग्रवाल, धनेंद्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी एसए संपत कुमार, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी जरिता लैतफलांग, एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं छत्तीसगढ़ सह-प्रभारी विजय जांगिड़, एआईसीसी सचिव राजेंद्र तिवारी, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अरूण ताम्रकार उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं ने लिया दक्षिण में अबकी बार कांग्रेस का विधायक बनाने का संकल्प

कार्यकर्ताओं को बताया, दक्षिण विस का उपचुनाव कांग्रेस के लिए संजीवनी बूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के सभी बूथों के कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, दक्षिण विधानसभा उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। उपचुनाव की तैयारी पिछले दो महीने से जारी है। वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें हो चुकी हैं। यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। भाजपा को इस चुनाव से ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन कांग्रेस के लिए यह चुनाव संजीवनी बूटी के समान है।

आशीर्वाद भवन में रायपुर दक्षिण विधानसभा के संबंध में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उमड़ पड़े। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 11 महीने की सरकार ने छत्तीसगढ़ को जलने में मजबूर कर दिया और यह दूसरा मणिपुर बनाने जा रहा है। लगातार लूट, चोरी, हत्या, डकैती, चेन स्नेचिंग, छोटी बच्चियों से लेकर माता-बहनें तक सुरक्षित नहीं हैं। बलौदाबाजार में निर्दोष लोगों को षडयंत्र कर जेल भेजने का काम किया और साहू समाज के लोगों को टार्गेट कर मारने का काम कर रहे हैं। यह सरकार छत्तीसगढ़ में सीरियल किलर की तरह काम कर रही है। उन्होंने कहा, अबकी बार हम दक्षिण में नया इतिहास रचेंगे। जनता के आशीर्वाद से यहां कांग्रेस का प्रत्याशी चुनाव जीतेगा। सभी 19 वार्डों में पार्टी की बूथ कमेटियां चुनाव में उतरने को तैयार हैं। वार्ड स्तर पर जिम्मेदारी दी जा चुकी है, सरकार की असफलता से जनता में भाजपा के खिलाफ आक्रोश है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दक्षिण उपचुनाव को लेकर उत्साह है। कांग्रेस की सभी कार्यकर्ताओं को मजबूती और ईमानदारी के साथ मिलकर काम करना है। 11 माह में राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था, भाजपा की वादाखिलाफी, सरकार का कुशासन बड़ा चुनावी मुद्दा होगा।

संगठित होकर लड़ेंगे उपचुनाव : महंत

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, रायपुर दक्षिण विधानसभा में सबसे ज्यादा नेता हैं। यहां 254 बूथ हैं। युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर चुनाव लड़ना है। दीपावली का समय आ गया है और सब मिलकर समय देकर इस उपचुनाव को जिताने के लिए लग जाएंगे। कांग्रेस इस उपचुनाव को जीतती है तो पार्टी का मनोबल बढ़ेगा। हम सब एक साथ, संगठित होकर चुनाव लड़ेंगे और यह उपचुनाव जीतेंगे।

ये रहे मौजूद

सम्मेलन में एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिव एसए संपत कुमार, जरिता लैतफलांग, विजय जांगिड़, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, प्रेमसाय सिंह टेकाम, उमेश पटेल, जयसिंह अग्रवाल, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू, राजेश तिवारी, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, गिरीश देवांगन, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, महामंत्री कन्हैया अग्रवाल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा, सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष अरूण ताम्रकार सहित दक्षिण विधानसभा के पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंदू ने किया।

कांग्रेस कार्यकर्ता उपचुनाव लड़ने के लिए तैयार : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, दक्षिण विधानसभा उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। इस 11 महीने में साय सरकार ने कोई भी कार्य नहीं किए, लेकिन आपराधिक घटनाएं पूरे प्रदेश में बढ़ गई हैं। इन सभी मुद्दों को लेकर हमें जनता के बीच जाना है। हमारी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जो कार्य किए, उन्हें जनता तक पहुंचाना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस के पार्षदों को आगे आना होगा, ताकि उनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिल सके। समय बहुत कम रह गया है। पार्टी टिकट किसी को भी दे, पर हमारे कांग्रेस कार्यकर्ता यह उपचुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। रणनीति सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए, गोपनीय रहनी चाहिए। सभी को एक साथ मिलकर रणनीति बनानी है। वार्ड के कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, बूथ स्तर पर सभी को मिलकर चुनाव लड़ना है और प्रत्याशी को जिताना है।

माना में पुलिस स्मृति दिवस परेड आज

रायपुर। राज्यपाल रामेन डेका की विशेष उपस्थिति में 21 अक्टूबर को 'पुलिस स्मृति दिवस परेड' कार्यक्रम आयोजित है। यह कार्यक्रम प्रातः 8.50 बजे से 10.21 बजे तक चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर माना में होगा। पुलिस महानिदेशक के अनुसार, कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में अतिथियों का श्रद्धांजलि उद्बोधन होगा। इस मौके पर संपूर्ण भारत में 1 सितंबर 2023 से 31 अगस्त 2024 तक कर्तव्य की बेदी पर शहीद हुए सुरक्षा कर्मियों की नामावली का वाचन तथा अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। राज्यपाल रामेन डेका इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों से मुलाकात करेंगे।

डॉ. सिंह बने गहिरा गुरु विवि के कुलपति

रायपुर। संत गहिरा गुरु विश्व विद्यालय सरगुजा (अंबिकापुर) के कुलपति पद पर डॉ. प्रेमप्रकाश सिंह की नियुक्ति की गई है। इस संबंध में राज्यपाल एवं कुलाधिपति रामेन डेका के हस्ताक्षर से आदेश जारी किया गया है। इससे पहले उच्च शिक्षा विभाग ने इस विश्वविद्यालय में धारा 52 लगाई थी। अब राज्य शासन के परामर्श से राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने डॉ. सिंह को कुलपति नियुक्ति किया है। बताया गया है कि डॉ. सिंह महली भगत शासकीय स्नातक महाविद्यालय कुसमी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में बतौर प्राध्यापक (प्राणीशास्त्र) सेवाएं दे रहे थे। उन्हें आगामी आदेश तक के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है।

बारूदी सुरंग के विस्फोट में शहीद हुए आईटीबीपी के जवानों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- घायल जवानों का हाल जानने मंत्री टंकराम वर्मा अस्पताल पहुंचे
- श्रद्धांजलि देने माना चौथी बटालियन पहुंचे मंत्री

नारायणपुर में शनिवार को बारूदी सुरंग विस्फोट में महाराष्ट्र तथा आंध्रप्रदेश के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने राजस्व मंत्री माना स्थित चौथी बटालियन पहुंचे। इसके बाद मंत्री तथा रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा घायल जवानों का हाल जानने देवेंद्र नगर स्थित श्री नारायणा अस्पताल पहुंचे। गौरतलब है कि नारायणपुर जिले में नक्सलियों द्वारा बिछाई गई एक बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से आईटीबीपी के जवान महाराष्ट्र सतारा निवासी अमर पंवार तथा आंध्रप्रदेश कडप्पा निवासी के. राजेश शहीद हो गए और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। शहीद जवान 53वीं बटालियन के थे। दोनों शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने मंत्री माना पहुंचे। श्रद्धांजलि देने के बाद दोनों शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को विशेष विमान से उनके पैतृक स्थानों के लिए रवाना किया गया।

मंत्री बोले बौखलाहट में नक्सली कर रहे कायराना हरकत : *शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के बाद मंत्री टंकराम वर्मा तथा विधायक पुरंदर मिश्रा पुलिस अफसरों के साथ घायल जवानों का हाल जानने श्री नारायणा अस्पताल पहुंचे। मंत्री तथा विधायक ने जवानों से अस्पताल में उनका हाल जाना। मंत्री के मुताबिक, लगातार चलाए जा रहे अभियान से नक्सली बौखला गए हैं और बौखलाहट में कायराना हरकत पर उतर आए हैं। मंत्री ने राज्य में जल्द से जल्द नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कही। मंत्री के अनुसार घायल जवानों की सेहत में सुधार हो रहा है।*

मॉडल स्टेशन में होंगी आधुनिक सुविधाएं वायु और ध्वनि प्रदूषण से भी मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- मशीन से जांच करने पहुंची टीम

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में रायपुर और दुर्ग स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में पुनर्विकास किया जाएगा। विभिन्न चरणों में यह कार्य किया जाएगा, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। रेलवे गुढ़ियारी की तरफ कई पुरानी बिल्डिंग में तोड़फोड़ शुरू कर चुका है। सामने की ओर जल्द ही कार्य शुरू होगा। रविवार को स्टेशन पुनर्विकास कर रही ठेका कंपनी ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की मशीन के जरिए जांच की। हरिभूमि से बातचीत में बताया कि मॉडल स्टेशन में यात्रियों को केवल आधुनिक सुविधाएं ही नहीं, बल्कि ध्वनि और वायु प्रदूषण से बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में स्टेशन परिसर का शोर मापदंड से अधिक है। वायु में ही धूल और राख अधिक पाई गई है। मॉडल स्टेशन को इस तरह विकसित किया जाएगा कि ध्वनि और वायु अपने मापदंड से अधिक न हो। मशीन के जरिए सैंपल लिया गया है, जिसकी लैब जांच होगी। ठेका कंपनी का कहना है कि एयरपोर्ट पर अत्यधिक शोर सुनाई नहीं आता है। इसके पीछे बिल्डिंग की बनावट होती है, जिससे आवाज कानों को चुभती नहीं है। रेलवे स्टेशन भी इसी तरह बनाया जाएगा, ताकि अंदर का शोर बाहर न आए और बाहर की आवाज को कम किया जा सके।

बस्तर छत्तीसगढ़ आर्ट से सजेगा स्टेशन : *स्टेशन में रिजर्व लॉज, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब, कोनकोर्स एरिया, बस्तर छत्तीसगढ़ी आर्ट से सुसज्जित होगा। रायपुर स्टेशन विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं से उन्नत होगा। वर्तमान समय में रायपुर स्टेशन पर लगभग 50 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। भविष्य में यात्रियों की संख्या और बढ़ाने को देखते हुए स्टेशन डेवलपमेंट में यात्री सुविधा उन्नत की जा रही है। सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से किए जाएंगे।* रायपुर स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों से यात्रियों के लिए आरामदायक व सुलभ यात्रा के साथ ही उन्हें यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा तथा संस्कृति, पर्यटन और व्यापार में भी व्यापक विस्तार होगा।

- सराफा एसोसिएशन ने तस्करी के आरोपों को खारिज किया
- क्राइम ब्रांच की टीम ने दो अलग-अलग मामलों में 14 करोड़ रुपए से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवर जब्त किए थे

सोने-चांदी के आभूषण जब्ती मामले में सराफा और प्रशासन आमने-सामने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

मौदहापारा तथा टिकरापारा थाना क्षेत्र में पिछले दिनों पुलिस द्वारा पौने 17 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के आभूषण की कथित तौर पर तस्करी के मामले को लेकर सराफा कारोबारी तथा प्रशासन एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए हैं। सराफा एसोसिएशन ने तस्करी के आरोपों का खंडन किया है।

सराफा एसोसिएशन के महासचिव प्रकाश गोलछा ने बयान जारी कर सोने-चांदी के आभूषणों की तस्करी के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि कारोबारियों को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। एसोसिएशन के महासचिव ने शहर के प्रतिष्ठित सराफा कारोबारियों के नाम अवैध गतिविधियों से जोड़ने की आलोचना की है। एसोसिएशन के महासचिव के अनुसार, पुलिस ने जो ज्वेलरी जब्त कर जीएसटी तथा आयकर विभाग के सुपुर्द की है, उक्त ज्वेलरी वैध चैनलों के माध्यम से कारोबारियों ने प्राप्त की है। एसोसिएशन के महासचिव के मुताबिक, पुलिस ने बगैर सत्यापन कार्रवाई कर कारोबारियों की छवि धूमिल करने का काम किया है।

ये है पूरा मामला

मौदहापारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कार्गो वैन से एक पखवाड़े पूर्व आठ करोड़ रुपए के चांदी के जेवर जब्त किए थे। चांदी के जेवर जब्त करने के 10 दिन बाद पुलिस ने इंटरस्टेट बस टर्मिनल में तीन लोगों के कब्जे से 12 किलो आठ सौ ग्राम, साढ़े छह करोड़ रुपए कीमत के सोने के आभूषण जब्त किए थे। मौके पर वैध दस्तावेज पेश नहीं किए जाने पर दोनों दोनों मामलों को तस्करी से जोड़कर देखा गया।

ज्वेलरी के साथ रखें बिल

सोने-चांदी के ज्वेलरी आने की सूचना मिलने पर पुलिस ने ज्वेलरी लाने वालों से पूछताछ की, मौके पर दस्तावेज पेश नहीं कर पाने की वजह से सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने उक्त ज्वेलरी जब्त कर संबंधित जीएसटी तथा आयकर विभाग के सुपुर्द की। कारोबारियों को परेशानी से बचने अपने सामान के साथ बिल रखना चाहिए। ओरिजनल बिल संभव नहीं होने पर फोटोकॉपी साथ में रखनी चाहिए। - **लखन पटले, एएसपी सिटी**

तस्कर, कर चोर के संबोधन को लेकर आपत्ति

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के महासचिव प्रकाश गोलछा ने अपने बयान में कहा है कि सराफा कारोबारी बिक्री करने के लिए राज्य के बाहर से सोने-चांदी के जेवर मंगवाते हैं। कारोबारी आसपास के शहरों में अपने संबंधित स्टाफ को जेवर बिक्री करने तथा आर्डर लेने भेजते हैं, जिसे पुलिस जांच के नाम से रोकती है। जांच के दौरान दस्तावेज उपलब्ध भी करा दिए जाते हैं। कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा अन्य मीडिया द्वारा पकड़े गए लोगों के खिलाफ तस्करी, आरोपी जैसे संबोधनों पर आपत्ति व्यक्त की गई है। एसोसिएशन के महासचिव के मुताबिक, जिनके पास से माल मिलता है वह या तो व्यापारी होता है या फिर उनका स्टाफ, लेकिन उन्हें सीधे आरोपी कहकर संबोधित किया जाता है। इस तरह के संबोधन से व्यापारियों की भावनाओं को ठेस पहुंचने की बात एसोसिएशन के महासचिव ने कही है।

घायल से मिलने अमित जोगी पहुंचे हॉस्पिटल

रायपुर। बलरामपुर जिले में जोगी कांग्रेस के नेता सुखु यादव के भाई वासुदेव यादव पर अज्ञात बाइक सवार नकाबपोश युवकों ने फायरिंग करने की घटना में घायल वासुदेव राजधानी रायपुर के रामकृष्ण हॉस्पिटल में भर्ती है, जिनसे मिलने जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश अमित जोगी पहुंचे और घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, छत्तीसगढ़ को देश में शांति का टापू कहा जा जाता था, पर भाजपा के राज में आपराधिक घटनाओं के मामले में छत्तीसगढ़ खतरनाक स्थिति में खड़ा हो चुका है, छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है।

पड़ोसी राज्य के बाघों को भाने लगे छग के जंगल, पेंच की बाघिन अचानकमार में घूम रही

बार नवापारा के बाद पेंच टाइगर रिजर्व की बाघिन की एटीआर में होने की पुष्टि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र में बाघों की संख्या में साल दर साल वृद्धि हो रही है। इसका फायदा छत्तीसगढ़ के टाइगर रिजर्व को भी मिलने लगा है। राज्य के गुरु घासीदास नेशनल पार्क में पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश स्थित संजय दुबारी नेशनल पार्क के बाघों की आवाजाही होती रहती है। इसी तरह से मध्यप्रदेश स्थित सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व की एक बाघिन चार सौ किलोमीटर की यात्रा कर अचानकमार टाइगर रिजर्व में पिछले एक वर्ष से विचरण कर रही है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर यूआर गणेश के मुताबिक, एटीआर में प्रे-बेस की व्यवस्था सुधरने की वजह से पड़ोसी राज्य के बाघ आकर्षित हो रहे हैं। एटीआर से लेकर कान्हा किसली तक टाइगर की आवाजाही का कॉरिडोर रहा है। अफसर ने पेंच की बाघिन के इसी कॉरिडोर से एटीआर आने की संभावना व्यक्त की है। पेंच की बाघिन एटीआर में होने की पुष्टि होने पर वन्यजीव प्रेमियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। साथ ही अफसरों से टाइगर की आवाजाही के कॉरिडोर को व्यवस्थित करने की मांग की है।

ऐसे हुई पुष्टि : अचानकमार में पेंच के बाघ के पुष्टि वर्ष 2022 में भेजी गई बाघों की गणना रिपोर्ट तथा ट्रैप कैमरे से मिली फोटो में बाघों की धारियों के मिलान के दौरान हुई। जो बाघिन एटीआर में विचरण कर रही है, वह पेंच से 2022 से नदारद है। अफसरों के अनुसार, उक्त बाघिन सालभर पूर्व ही एटीआर पहुंची थी।

केयरिंग कैपेसिटी का मिल रहा लाभ

जानकारों के मुताबिक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या केयरिंग कैपेसिटी से ज्यादा हो गई है। इसके चलते बाघों में द्वंद्व की स्थिति निर्मित होती है। इसके चलते बाघ नई टेरेटरी की तलाश में किसी दूसरे जंगल की ओर पलायन कर जाते हैं। इसी वजह से बाघ गुरु घासीदास नेशनल पार्क तथा एटीआर में पहुंच रहे हैं।

बाघों की संख्या बढ़ाने इस ओर ध्यान देने की जरूरत

राज्य में बाघों की संख्या बढ़ाने वन विभाग के मैदानी अमले को शिकार रोकने के साथ जाल बिछाकर, जो शिकार करते हैं उसे रोकने एंटी स्नेयर वॉकिंग टीम को मजबूत करना होगा। साथ ही बाघों के शिकार के लिए प्रे-बेस बढ़ाने ग्रासलैंड विकसित करने की जरूरत है। राज्य के ज्यादातर वनक्षेत्रों में पालतू मवेशी पहुंचकर ग्रासलैंड को सफाचट कर रहे हैं, उन पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है।

रास्तों को लेकर अलग-अलग राय

पेंच पार्क प्रबंधन का मानना है कि बाघिन ने पेंच, कान्हा कॉरिडोर का उपयोग किया होगा और अचानकमार पहुंची होगी। वहीं एटीआर प्रबंधन का मानना है कि बाघिन ने जबलपुर जिले के जंगल से होते हुए करंजिया, बिछिया के रास्ते अचानकमार के जंगल में प्रवेश किया है। एटीआर प्रबंधन के तर्क की वजह यह है कि यह बाघिन कान्हा टाइगर रिजर्व में किसी भी कैमरे में ट्रैप नहीं हुई है। कई विशेषज्ञ इसके कान्हा या पेंच से महाराष्ट्र के जंगल से होते हुए अचानकमार पहुंचने की संभावना जता रहे हैं।

इंटरनेशनल डांस स्पर्धा में समृद्धि प्रथम

रायपुर। ऑल इंडिया डांस एसोसिएशन की ओर से रंग मंदिर में 12 से 21 अक्टूबर तक इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिता और नटवर गोपीकृष्ण अवार्ड-2024 का आयोजन किया गया है, जिसमें समृद्धि यादव ने भरतनाट्यम नृत्य के सब जूनियर केटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया और उनके नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समृद्धि कृष्णा पब्लिक स्कूल डूंडा में चौथी की छात्रा हैं। नृत्य के साथ तीरंदाजी और पढ़ाई में भी विशेष योग्यता रखती हैं। समृद्धि अपनी सफलता का श्रेय अपने नाना पीआर अहीर के प्रोत्साहन को देती हैं। वे डॉ. संजीव कुमार यादव और डॉ. डाली अहीर के पुत्री हैं।

निधन

मीना वर्मा

रायपुर। लक्ष्मी नगर पचपेड़ीनाका निवासी मीना वर्मा (79) का 18 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 19 अक्टूबर को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे हीरालाल वर्मा की पत्नी और अनिल व सुनील वर्मा की माता थीं।

पुष्पा बेन मैचा

रायपुर। बुढ़ापारा निवासी पुष्पा बेन मैचा (88) का 20 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया। वे प्रकाश भाई मैचा, अनिल भाई मैचा की माता थीं।

अर्ली वैरायटी के धान की फसल तैयार, बेचने के लिए किसानों को करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए धान खरीदी की तैयारी मार्कफेड ने शुरू कर दी है। 14 नवंबर से 31 जनवरी 2025 तक इस साल 160 लाख टन धान खरीदी किए जाने का अनुमान है। धान की फसल की खरीदी इस बार 14 दिन देर से हो रही है। राज्य में अर्ली वैरायटीज के धान की फसल तैयार हो गई है। कई जिलों में फसल कटाई शुरू भी हो गई है। किसानों को एक माह धान खेतों में ही रखना होगा। ऐसे में सुरक्षा और अन्य कारणों से किसानों पर अतिरिक्त भार आएगा।

- 14 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

छत्तीसगढ़ में हर साल 1 नवंबर से धान खरीदी शुरू होती है। दीपावली के चलते राज्य सरकार ने खरीदी की तारीख आगे बढ़ा दी है।2085 समितियों के माध्यम से धान खरीदी के लिए समिति स्तर पर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदने सभी खरीदी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्रों का इस्तेमाल किया जाएगा। धान खरीदी के लिए पिछले साल की तरह बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू रहेगी। इसके लिए किसानों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल के जरिए किया जा रहा है। पिछले साल जिन किसानों ने धान बेचा था, उनके अलावा नए किसान भी जुड़ेंगे। कई किसानों के रकबा और रिकार्ड परिवर्तन में भी संशोधन किए जा रहे हैं।

डाटा एंट्री ऑपरेटर हड़ताल पर

धान खरीदी समितियों के माध्यम से होती है। वहां पदस्थ डाटा एंट्री ऑपरेटर अपने वेतन और अन्य मांगों के लेकर हड़ताल पर हैं। समितियों में कंप्यूटर से संबंधित कार्य ठप पड़े हैं। उनकी हड़ताल के कारण पिछले कई दिनों से समितियों का कार्य नहीं हो पा रहे हैं। धान खरीदी शुरू होने से पूर्व उनकी मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो दिक्कत हो सकती है। अधिकारी डाटा एंट्री ऑपरेटरों से चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई हल नहीं निकला है।

4.02 लाख गठान बारदाना खरीदी

धान खरीदी के लिए कुल 8 लाख गठान बारदाने की जरूरत होगी। मार्कफेड द्वारा इसके लिए 4.02 लाख गठान नए बारदाने जूट कमिश्नर के जरिए खरीदी किए जाएंगे। इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। समितियों में धान की सुरक्षा और अन्य उपायों को लेकर निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं खरीदी के साथ धान के उठाव और रखरखाव के संबंध में पूरी जानकारी समितियों को देनी होगी। मार्कफेड समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने 37 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने की तैयारी कर रहा है। मार्कफेड ने अलग अलग बैंकों से निविदा जारी कर प्रस्ताव मंगाए हैं।

टोकन सिस्टम से होगी खरीदी

धान खरीदी को लेकर मार्कफेड ने समितियों में खरीदी की लिमिट तय की है। उसके तहत ही छोटे और सीमांत किसानों को अधिकतम दो टोकन और बड़े किसानों को तीन टोकन दिए जाएंगे। किसानों का धान खरीदी से पहले पंजीकृत किसानों की एंट्री का मिलान किया जाएगा, जिसमें रकबा और बी-1 अनुसार खरीदी की मात्रा तय होगी। धान खरीदी की प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी करने के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

देशभर में चलाएंगे 'एक दीया श्रीराम के नाम' अभियान

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक दिल्ली में हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के चेयरमैन संजय रहेजा, कोषाध्यक्ष विक्की लोहाना, मनीष तलरेजा का सम्मान किया गया। इस बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान से भी शामिल हुए। इसी दौरान प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने एक प्रस्ताव रखा कि दिवाली के पूर्व एक सप्ताह पूर्व सिंधी काउंसिल द्वारा एक अभियान चलाया जाए, एक दीया श्रीराम के नाम। इस अभियान को सभी राज्य इकाई ने सराहा, साथ ही सभी राज्य इकाई अपने-अपने प्रदेश में इस अभियान को चलाएगी और निशुल्क दीए वितरण भी करेगी, ऐसा निर्णय लिया गया। सिंधी काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लडानी ने कहा कि सभी प्रदेशों की सिंधी काउंसिल के सदस्य एक दीया श्रीराम के नाम अभियान को आम जनता तक ले जाए। आज मुझे खुशी है कि पूरे देश की मिसाल छत्तीसगढ़ बना है। छत्तीसगढ़ इकाई ने श्रीराम के नाम से घर-घर दीया वितरण की योजना बनाई है, इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। बैठक में सिंधी काउंसिल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश केशवानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन लडानी, राष्ट्रीय महामंत्री चंदर लालचंदानी, गुलाब लडानी, प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, दिल्ली अध्यक्ष अशोक लालवानीश, युवा विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी, महिला विंग राष्ट्रीय अध्यक्ष रोशनी तोलानी, छत्तीसगढ़ से संजय रहेजा, विक्की लोहाना, मनीष तलरेजा उपस्थित थे।

पेज 09 के शेष ...

नदी का नेचुरल...

की प्यास बुझाएगा। इसके लिए सिंचाई विभाग से रोजाना 250 क्यूसेक रॉ वाटर की डिमांड की गई है। 25 अक्टूबर से यह सिलसिला शुरू हो जाएगा।

री-सर्कुलेशन प्लांट से...

12 एमएलडी क्षमता का वाटर री-सर्कुलेशन प्लांट लगाया गया है। इस प्लांट से 50 लाख लीटर वेस्ट वाटर को उपचारित कर उपयोग लायक बनाया जा रहा है। इससे शहरवासियों के लिए 5 एमएलडी साफ पानी अतिरिक्त मिलने लगेगा।

मैं शपथ लेता हूं...

डॉक्टरों का नाम विभागीय स्तर पर सार्वजनिक किया गया है और निजी अस्पताल में उनकी प्रायवेट प्रैक्टिस को प्रतिबंधित किया है। इस मामले में सवाल यह उठाया जाने लगा है कि ऐसे चिकित्सकों के नाम का खुलासा करने के बाद उनकी निगरानी और कार्रवाई के लिए किसी टीम का गठन क्यों नहीं किया गया है? इन डॉक्टरों द्वारा दिए गए शपथपत्र पर ही भरोसा कर उन्हें शासकीय सेवा के प्रति समर्पित माना गया है। मेडिकल एजुकेशन विभाग की ओर से सभी शासकीय मेडिकल कालेज की सूची जारी की गई है। वहीं स्वास्थ्य संचालनालय द्वारा प्रदेश में कार्यरत सीएमएचओ और सिविल सर्जन का नाम सार्वजनिक किया गया है, जो अव्यावसायिक भत्ता लेते हैं। जानकार लोगों का कहना है कि इस मामले में ऐसे डॉक्टरों के नाम भी सार्वजनिक किए जाने चाहिए, जो शासकीय सेवा में होने के बाद भी निजी अस्पतालों में अटैच हैं।

पौने दो क्विंटल गांजा...

कर राजस्थान ले जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर, मुखबिर की सूचना पर राजस्थान करोली निवासी वसीम अहमद, जयपुर निवासी शहजाद खान तथा राजनांदगांव निवासी भूपेंद्र कुमार देवदास के कब्जे से एक क्विंटल 65 किलो गांजा जब्त किया गया। तीनों तस्कर रायगढ़ तथा रायपुर पासिंग की थार जीप से गांजा तस्करी कर राजस्थान ले जा रहे थे। जब्त गांजा तथा कार की कीमत 55 लाख रुपए आंकी गई है। इसी तरह आमानाका पुलिस ने इस्कॉन मंदिर के पास कबीर नगर निवासी ओमप्रकाश उर्फ नीरज तिवारी के कब्जे से साढ़े 18 किलो गांजा जब्त किया है।

आदिवासियों के दमन के खिलाफ माकपा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माकपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को शाम 5 बजे हसदेव अरण्य में पेड़ों की कटाई का विरोध कर रहे आदिवासियों पर पुलिस द्वारा बर्बर बल प्रयोग के खिलाफ मानव श्रृंखला बनाकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही आदिवासियों पर भीषण लाठीचार्ज के लिए साय साकार की तीव्र नींद की। उल्लेखनीय है कि माकपा ने पूरे प्रदेश में इसका तीव्र विरोध करने का आव्हान किया। माकपा नेता एमके नंदी, धर्मराज महापात्र, राजेश अवस्थी, प्रदीप गभने ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हसदेव अरण्य को बचाने के लिए संघर्षरत आदिवासियों पर साय सरकार की पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया और आदिवासियों पर झूठे मुकदमे गढ़कर कइयों को जेल में बंद कर रखा है। माकपा नेताओं ने कहा कि आदिवासियों पर जुल्म किसी भी हाल में बर्दाशत नहीं किया जाएगा। इसके बाद माकपा कार्यकर्ताओं ने हसदेव अरण्य के आदिवासियों के साथ एकजुटता दिखाने मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में माकपा के एससी भट्टाचार्य, अजय कन्नौजे, राजेश अवस्थी, शीतल पटेल, मारुति डोंगरे, चंद्रशेखर सिंह, विभाष पैतुनडी, नवीन गुप्ता, प्रदीप मिश्रा, केके साहू, गोदावरी, पंचूराम, ज्वाला देवांगन सहित अनेक सदस्य शामिल थे।

प्रदेश के अमन चैन के लिए मसीही समाज ने निकाली शांति यात्रा

रायपुर। मसीही समाज के सैकड़ों युवाओं द्वारा 20 से 25 अक्टूबर तक रायपुर से कांकेर, जगदलपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कोंटा, बीजापुर, नारायणपुर तक प्रदेश के अमन चैन के लिए मोटर साइकिल के माध्यम से प्रदेश में शांति का संदेश देने शांति यात्रा निकाली गई। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी अपनी धर्मपत्नी ऋचा जोगी के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर अमित जोगी ने कहा, छत्तीसगढ़ को शांति का टापू के नाम से जाना जाता है, सामाजिक सद्भाव, स्नेह और आपसी भाईचारा छत्तीसगढ़ की पहचान है। मसीही समाज के युवाओं के द्वारा ऐसे समय में रायपुर से बस्तर तक शांति यात्रा निकाली जा रही है। जब प्रदेश में अपराध चरम सीमा पर है। यात्रा से शांति का बड़ा संदेश जाएगा और एक परिवर्तन आएगा। यह आयोजन बिशप रेव्ह. सुषमा कुमार के निर्देशन एवं नितिन लॉरेन्स के प्रयास से संभव हुआ है।

खबर संक्षेप

विधायक साहू ने किया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रविवार को जोन 10 के 4 वार्डों में 2 दर्जन से अधिक स्थानों पर निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने रानी दुर्गावती वार्ड स्थित राममंदिर के नाला निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। साथ ही कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड, बाबू जगजीवन राम वार्ड, रविंद्रनाथ टैगोर वार्ड में नए विकास कार्यों का भूमिपूजन वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में किया।

रायपुर ग्रामीण विधायक श्री साहू ने 4 वार्डों में 6 करोड़ 42 लाख 23 हजार की लागत से विविध कार्यों का भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में वार्ड पार्षद उमा चंद्रहास निर्मलकर, रवि ध्रुव, जोन कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू सहित वार्डवासी उपस्थित रहे। विधायक श्री साहू ने करवा चौथ के पर्व पर महिलाओं को शुभकामनाएं दीं।

जोन अध्यक्ष होरा ने किया भूमिपूजन

रायपुर। जोन अध्यक्ष बंटी होरा ने अपने जन्मदिन के अवसर रविवार को वार्डवासियों को करीब 2 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने शहीद हेमू कालाणी वार्ड में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। देवेंद्र नगर सेक्टर-5 स्थित रामेश्वर गार्डन में नागरिकों की मौजूदगी में पार्षद श्री होरा ने भूमिपूजन किया। कार्यक्रम स्थल पर वार्डवासी एवं सफाई कर्मचारियों ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया। इस दौरान सहायक अभियंता पीडी धृतलहरे, शत्रुहन देशलहरे सहित वार्डवासी मौजूद रहे।

बूढ़ा गार्डन क्षेत्र में चौपाटी का ग्रीन आर्मी ने किया विरोध

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही ग्रीन आर्मी संस्था बूढ़ा गार्डन को बचाने के लिए सामने आई है। प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने बताया कि पर्यटन विभाग को चौपाटी के नाम पर तालाबों और धरोहर से खिलवाड़ नहीं करनी चाहिए। चौपाटी की छत से दानी गर्ल्स स्कूल सीधे दिखाई दे रहा है। यहां हजारों स्थानीय निवासियों से लेकर शहरवासी तक मॉर्निंग वॉक, योगा, एवं स्वास्थ लाभ लेने रोजाना आते हैं। पाथवे पर चलकर लोग स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं, वहां चौपाटी का निर्माण इंसानों, पंछियों, जीव जंतुओं से लेकर पर्यावरण के लिए हानिकारक है। ग्रीन आर्मी संस्था द्वारा रविवार को 100 से अधिक सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों के साथ चौपाटी निर्माण का विरोध दर्ज कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष अमिताभ दुबे ने उपस्थितजनों का आभार जताया।

छठ पूजा धूमधाम से मनाने का लिया निर्णय

रायपुर। छुईयां छठ तालाब हीरापुर में उत्तर भारत समाज कल्याण समिति की आम बैठक हुई। इस दौरान 5 नवंबर को छठ पूजा पर्व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। विगत माह हुए समाज के चुनाव में निर्वाचित सचिव नंदन कुमार झा एवं कोषाध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिंह को शपथ दिलाई गई तथा नियुक्ति प्रमाणपत्र भी दिया गया। बैठक में संस्थापक सदस्य दिवाकर अवस्थी, दिलीप सिंह, सरोज सिंह, रमन पंडित, श्रीकांत तिवारी, दिवाकर सिंह, राणा प्रताप सिंह समेत अनेक सदस्य मौजूद रहे।

मरीन ड्राइव में रीक्रिएशन जोन के साथ गार्डन एरिया में एम्युजमेंट पार्क, 25 से होगी शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

राजधानी के तेलीबांधा सरोवर परिसर में रीक्रिएशन जोन विकसित करने वाली एजेंसी अब बच्चों व बड़ों के लिए गार्डन एरिया में एम्युजमेंट पार्क की सौगात देने जा रही है। 25 अक्टूबर से इसकी शुरुआत होगी, जहां एक से बढ़कर एक मनोरंजक, आकर्षक झूले, फ्लाइंग कॉप्टर, ड्रैगन राइड, ड्रॉप टॉवर, हॉर्स राइड्स, कप एंड सॉशर गेम, ट्रेम्पोलाइन सहित अन्य एडवेंचर गेम उपलब्ध होंगे। रविवार को एम्युजमेंट पार्क स्थल पर किड्स कार, ट्रेन ट्रेक्स को व्यवस्थित करने कर्मचारी जुटे रहे। दरअसल मेट्रो सिटी की तर्ज पर तेलीबांधा तालाब के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने निगम से अनुबंधित एजेंसी फ्लोटिंग डेक बना रही है। साथ ही गार्डन एरिया में एक एडवेंचर टॉवर बनाया जा रहा है। यह टॉवर 60 फीट ऊंचा रहेगा। इसे लैंडिंग टॉवर का नाम दिया गया है। जहां से आने वाले दिनों में लोग तालाब का सुंदर नजारा देख पाएंगे। गार्डन एरिया में 25 अक्टूबर से एंम्युजमेंट पार्क शुरू किया जा रहा है, जहां बच्चों व बड़ों के मनोरंजन के लिए विविध तरह के साधन होंगे। किड्स एम्युजमेंट में बच्चों के लिए किड्स कार, ट्रेन ट्रेक्स, ड्रैगन की सवारी, फ्लाइंट कॉप्टर समेत अन्य तरह के गेम्स रहेंगे।

बच्चों के मनोरंजन, खेलकूद के लिए फ्लाइंग कॉप्टर, ड्रैगन राइड, आकर्षक झूले

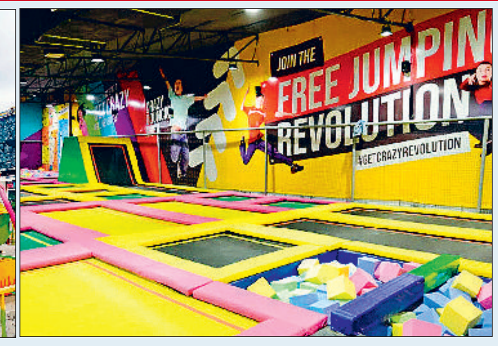

आगामी दिनों में एडवेंचर गेम्स भी

ईसीएचटी मैनेजमेंट के माध्यम से मेगा एडवेंचर और टूरिज्म हब का स्वरूप देने यह कार्य कराया जा रहा है। कंपनी के डायरेक्टर राजीव सेंगर ने बताया कि पर्यटकों के लिए नई गतिविधियां तेलीबांधा तालाब के आकर्षण को और बढ़ाने शुरू की जा रही हैं। इसी कड़ी में एम्युजमेंट पार्क एक नई सौगात होगा। आने वाले दिनों में एडवेंचर गेम भी शुरू किए जाएंगे, जिसमें वाटरबॉडी क्रॉस करने वाली अनोखी जिप लाइनिंग, जिप साइकिलिंग और जिप रोलर गतिविधियां आकर्षण का केंद्र होंगी।

संकरी सड़क पर ट्रैफिक जाम कम करने की प्लानिंग

पौन किमी लंबी फोरलेन सड़क बनाने खर्च होंगे 26.52 करोड़, गुढ़ियारी से जुड़ेगा स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रेलवे स्टेशन आने-जाने वालों को जल्द ही गुढ़ियारी पड़ाव से रेलवे जंक्शन के बीच लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलने वाली है। इसके लिए सरकार ने 26.52 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति के साथ ही पौन किलोमीटर सड़क निर्माण के दायरे में आने वाली जमीन के मालिकों के लिए मुआवजे का प्रावधान किया है। पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से जुड़े लोगों को फोरलेन सड़क की सौगात मिलने से रेलवे स्टेशन तक आवागमन सुगम होगा। राजधानी के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को फिर चमकाने में जुटे पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक राजेश मूणत की प्लानिंग पर सीएम विष्णु देव साय ने मंजूरी की मुहर लगाई है। साथ ही गुढ़ियारी को एक और फोरलेन सड़क की सौगात दी है। यह सड़क शुक्रवारी से होते हुए प्लेटफार्म-5 स्थित रेलवे फाटक को जोड़ेगी। अभी यह सड़क कई जगह बेहद संकरी है। अब करीब पौन किमी लंबी सड़क निर्माण के लिए सरकार ने 26.52 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। सड़क निर्माण की मंजूरी से पश्चिम क्षेत्र में सड़कों का इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर करने की तैयारी शुरू हो गई है। शुक्रवारी बाजार से रेलवे स्टेशन तक 0.78 किमी लंबी फोरलेन बनने से आवागमन भी बेहतर होगा।

मुख्यमंत्री ने किया मुआवजे का प्रावधान, निर्माण के लिए वित्तीय मंजूरी

त्योहार के बाद शुरू होगा सर्वे

शासन को फोरलेन सड़क बनाने के लिए भेजे गए प्रस्ताव के साथ ही मुआवजे के लिए भी स्वीकृति मिली है। फोरलेन सड़क बनाने से पहले त्योहार के बाद सर्वे की प्रक्रिया होगी। इसके बाद सभी प्रोसेस को क्रम से करते हुए लोगों को नई सुविधा से जोड़ने की तैयारी है।

\- **राजेश मूणत,** विधायक, पश्चिम

...तब ड्राइंग-डिजाइन होगी फाइनल

सड़क निर्माण से पहले प्रभावित होने वालों का सर्वे कराया जाएगा। इसके बाद मुआवजे समेत सारी प्रक्रिया के बाद नए साल यानी 2025 में टेंडर जारी कर एजेंसी से निर्माण शुरू कराने की तैयारी है। इसके पहले सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति भी ली जाएगी। इस सड़क पर पुल-पुलिया बनाने हों तो उसकी ड्राइंग-डिजाइन भी फाइनल कराने का प्रावधान किया गया है। सड़क की चौड़ाई बढ़ाने भू-अर्जन के लिए सर्वे का काम त्योहार के बाद शुरू होगा। प्रस्ताव के अनुसार भू-अर्जन की राशि के लिए भी स्वीकृत दी गई है।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

गुढ़ियारी सहित समूचे पश्चिम क्षेत्र को ट्रैफिक फ्री बनाने और क्लीयर एंट्री के लिए इस सड़क का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सड़क केवल स्टेशन ही नहीं, बल्कि गुढ़ियारी को स्टेशन इलाके से भी जोड़ेगी। अभी कई जगह सड़क संकरी है, इसलिए ट्रैफिक जाम होने से दिक्कतें होती हैं। विशेषज्ञों व शुक्रवारी इलाके के लोगों से लंबे विचार-विमर्श से मिले सुझाव के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा गया। यह सड़क बनने से टाटीबंध, हीरापुर, कबीर नगर, गोगांव, सरोरा ही नहीं, बल्कि बिरगांव सहित 20 से ज्यादा क्षेत्रों की आबादी को राहत मिलेगी।

21 साल में 7 हजार से बढ़कर 20 हजार हो गए राशन कार्डधारी

पार्षदों ने कलेक्टर को बताया- दुकानें अब भी सिर्फ 10

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- बिरगांव निगम के 40 वार्डों में अभी भी परिषद की खाद्यान्न वितरण व्यवस्था

बुनियादी सुविधाओं से जूझते बिरगांव निगम में मौजूदा संसाधनों का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यहां अभी भी 21 साल पुरानी राशन वितरण व्यवस्था चल रही है। 2003 में जब बिरगांव नगरपालिका थी, तब करीब 7 हजार राशन कार्डधारक थे। तब उनके लिए 35 वार्डों में से सिर्फ 10 राशन दुकानों का संचालन शुरू हुआ। अभी आबादी के लिहाज से शासन ने करीब 10 साल पहले नगर निगम का दर्जा दे दिया। वर्तमान में 40 वार्डों में 20 हजार से ज्यादा हितग्राही हैं। इनके लिए अभी भी सिर्फ 10 दुकानों का ही संचालन किया जा रहा है। राजधानी से सटे बिरगांव निगम क्षेत्र में राशन दुकानों की स्थिति बेहद खराब है। हर दुकान में करीब दो हजार हितग्राही जुड़े हुए हैं। राशन लेने के लिए उन्हें कई दिन रोजी-मजदूरी से भी छुट्टी लेनी पड़ती है। इसे देखते हुए निगम के प्रभावित वार्ड के पार्षदों ने कलेक्टर को मामले में त्वरित कार्यवाही के लिए ज्ञापन भी दिया है। इसमें जिक्र है कि क्षेत्र में लगभग 20 हजार राशन कार्डधारी हैं। इनके लिए अभी भी दस राशन दुकानें ही संचालित हैं। श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र है, यहां के वार्डों में रहने वाले लोगों में श्रमिकों की अधिकता है। इनका जीवनयापन दैनिक मजदूरी पर आश्रित है। राशन दुकानों की संख्या राशन कार्डधारियों के हिसाब से बहुत कम है। इसके चलते राशन दुकानों में भीड़ होने एवं दुकानों के नियमित रूप से नहीं खुलने से श्रमिकों को भटकना पड़ता है।

समय पर नहीं मिल पाता राशन

प्रतिनिधियों ने बताया कि राशन दुकानें कम होने से लोगों को एक से डेढ़ किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। राशन नहीं मिलने या दुकान बंद की स्थिति में छुट्टी लेने से रोजी-रोटी का नुकसान होता है। इसे ध्यान में रखते हुए पहली बार प्रतिनिधियों ने मुखर होकर 30 नई राशन दुकानें खोलने के लिए अपने कार्यकाल में तीसरी बार मांग की है। इसके बाद भी किसी प्रकार की सकारात्मक पहल नहीं की जा रही है। अब अगर इसमें विलंब किया जाता है तो विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा।

राशनकार्ड पोर्टेबिलिटी में छग के 5 जिले सबसे आगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

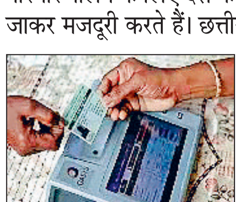

- वन नेशन वन राशनकार्ड योजना का मिल रहा लाभ

वन नेशन वन राशनकार्ड योजना राज्य के उन श्रमिकों, गरीबों के लिए मददगार साबित हो रही है, जो अपना परिवार पालने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में जाकर मजदूरी करते हैं। छत्तीसगढ़ में चालू अक्टूबर माह में 6 लाख 10 हजार से अधिक ऐसे लोग दूसरे स्थानों पर जाकर राशनकार्ड पोर्टेबिलिटी के माध्यम से राशन ले चुके हैं। वन नेशन वन राशनकार्ड योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देशभर में राशन कार्डधारी अपनी खाद्य सुरक्षा के अधिकारों का लाभ किसी भी राज्य में उठा सकें। यह योजना विशेष रूप से उन प्रवासी मजदूरों के लिए फायदेमंद है, जो एक राज्य से दूसरे राज्य में काम के लिए जाते हैं और वहां अपने राशन का दावा करना चाहते हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में भी यह योजना सक्रिय रूप से लागू है और इसकी पोर्टेबिलिटी के तहत लोग अपने राशन को राज्य के भीतर किसी भी जिले या शहर में ले सकते हैं।

इन जिलों में सबसे अधिक पोर्टेबिलिटी

छत्तीसगढ़ में कुल राशनकार्डों की संख्या 78 लाख 74 हजार 926 है। इन कार्डधारियों में से लाखों ऐसे लोग हैं, जो रोजगार के सिलसिले में अपने जिले या राज्य से बाहर जाकर मजदूरी कर रहे हैं। जिन जिलों के सबसे अधिक राशन कार्डधारियों ने पोर्टेबिलिटी का लाभ उठाया है, उनमें बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, कोरबा, मुंगेली, सरगुजा और रायपुर जिले के लोग शामिल हैं। इससे ये भी पता लगता है कि इन जिलों के लिए अन्य जिलों या राज्यों में लोग जाकर काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इस योजना के तहत राशन कार्डधारकों को व्यापक लाभ मिल रहा है। राज्य में पोर्टेबिलिटी के आंकड़े काफी सकारात्मक हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में लाखों लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है। राज्य में कुल पोर्टेबिलिटी लेनदेन की संख्या निरंतर बढ़ रही है, खासकर उन जिलों में, जहां प्रवासी मजदूरों की संख्या अधिक है।

महिला ऑपरेटरों ने धरनास्थल पर रखा करवा चौथ का व्रत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 7 माह से वेतन नहीं मिला, आजीविका पर संकट

नवा रायपुर के तूता स्थित धरनास्थल पर 2 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दे रहीं प्रदेश की महिला डाटा एंट्री ऑपरेटरों ने करवा चौथ व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, कंप्यूटर आपरेटर संघ के आव्हान पर प्रदेशभर के 2739 धान खरीदी कंप्यूटर आपरेटर दीपावली के पूर्व 7 माह के लंबित वेतन का भुगतान करने और 27 फीसदी वेतनवृद्धि का लाभ देने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकांत मोहरे ने बताया कि लामबंद डाटा एंट्री आपरेटर सोमवार को मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। 22 तारीख को वित्त मंत्री निवास का घेराव करने की तैयारी की गई है।

बृहन्न महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात, दिया निमंत्रण

राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलिंद महाजन के साथ मिलने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बृहन्न महाराष्ट्र मंडल नई दिल्ली का राष्ट्रीय सम्मेलन 10 से 12 जनवरी को महाराष्ट्र मंडल रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। शनिवार की रात बृहन्न महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष मिलिंद महाजन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की और उन्हें कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। सीएम श्री साय ने निमंत्रण सहर्ष स्वीकार किया। बृहन्न महाराष्ट्र मंडल के छत्तीसगढ़ प्रांत प्रभारी सुबोध टोले ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जिज्ञासावश बृहन्न महाराष्ट्र मंडल के बारे में प्रतिनिधिमंडल से और भी जानकारी जुटाई और कई सवाल पूछे। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और इंदौर की आठ बार की सांसद सुमित्राताई महाजन के सुपुत्र मिलिंद महाजन ने बताया कि भव्य पैमाने पर होने वाले अधिवेशन में परंपरानुसार महाराष्ट्र सरकार के बतौर प्रतिनिधि नवपदस्थ मंत्री के शामिल होने की भी संभावना है। इस मौके पर देशभर से आने वाले प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा से अवगत कराया जाएगा। रायपुर के समीपस्थ दर्शनीय स्थलों को दिखाने का भी विचार है। अधिवेशन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। सीएम से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में बृहन्न महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शेखर राव साहेब अमीन, महाराष्ट्र मंडल रायपुर के अध्यक्ष अजय मधुकर काले, उपाध्यक्ष गीता श्याम दलाल एवं सचिव पं. चेतन दंडवते शामिल रहे।

बूढ़ापारा धरनास्थल की जगह के पास कचरा डंपिंग जोन

जहां कचरा, वहां चौपाटी, सेहत से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- दुर्गंध से यहां बैठना तो दूर, खड़े रहना तक मुश्किल
- रोज सड़क पर लग रही कचरा गाड़ियों की कतार

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अफसर शहरवासियों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने जा रहे हैं। बूढ़ापारा धरनास्थल वाली जगह पर जहां कचरा डंपिग जोन की वजह से लोगों का आवागमन मुश्किल होता है, वहां चौपाटी बनाई जा रही है। वेंडिंग जोन के नाम से दर्जनभर गुमटियों को किराए पर दिया जाएगा। जहां कूड़े-करकट की दुर्गंध के बीच खाने-पीने के सामान बेचे और परोसे जाएंगे। जहां न तो गाड़ियों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था है और न ही सुरक्षा के इंतजाम। ऐसे में मुख्य मार्ग की सड़क पर देर शाम गाड़ियों की लाइन लगने से ट्रैफिक जाम की आशंका भी है। रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा बूढ़ातालाब के सामने पुराने धरनास्थल के पास वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है। जहां 10 बाई 10 वर्गफीट के 12 वेंडिंग कॉर्ट किराए पर दिए जाएंगे। यहां खाने-पीने के सामग्री बेची और परोसी जाएगी। नगर निगम के कचरा डंपिंग जोन को हटाए बिना यहां वेंडिंग जोन बनाने को लेकर लोग परेशान हैं, क्योंकि जहां ये वेडिंग कॉर्ट बनाए जा रहे हैं, उसके ठीक सामने रोज सुबह-शाम ठेका कंपनी की कचरा गाड़ियां शहर के अलग-अलग इलाकों का कूड़ा-करकट खाली करने कतार से खड़ी रहती हैं। इसके चलते यहां से आने-जाने वाले आमजन नाक पर कपड़ा बांधे बिना गुजर नहीं सकते। उसी जगह पर चौपाटीनुमा वेंडिग जोन की प्लानिंग पर सवाल उठने लगे हैं।

महापौर से लेकर स्थानीय रहवासी, वार्ड पार्षद भी विरोध में

बूढ़ापारा धरनास्थल को शहर के बीच से हटाने स्थानीय रहवासियों ने एकजुटता दिखाई। बड़ी जद्दोजहद के बीच धरनास्थल को नवा रायपुर के तूता में शिफ्ट किया गया। महापौर एजाज ढेबर की परिषद ने धरनास्थल वाली जगह सुरक्षित रखने बाउंड्रीवॉल बनवाई। तब निगम प्रशासन की ओर से ये कहा गया कि वहां छोटा-सा गार्डन बनाया जाएगा, पर निगम आयुक्त और स्मार्ट सिटी के एमडी अबिनाश मिश्रा ने धरनास्थल वाली जगह पर वेंडिंग जोन का प्लान बनाकर इसके लिए टेंडर करा दिया, जिसका विरोध स्थानीय रहवासियों सहित सामाजिक कार्यकर्ता और वार्ड पार्षद सीमा-मुकेश कंदोई कर रहे हैं। महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि धरनास्थल वाली जगह पर चौपाटी नहीं बनने देंगे, क्योंकि निर्माण स्थल के पास नगर निगम का कचरा डंपिग जोन बना है। यहां वेंडिंग जोन बनाना लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ है।

online Booking:-www.tripuryatra.com
Individual & Group Tour
Honeymoon Tours
School Collage Tour
स्पेशल ट्रेन से
11 जनवरी से 17 जनवरी 2025, 18 मई से 24 मई 2025
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
पशुपतिनाथ, जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल), सीतामणी, लुम्बिनि (भगवानबुद्ध का जन्म स्थान), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि)
राशिः-स्लीपर 8500/- 3 एसी 16,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D 36 Sector 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि लाइव

रायपुर, सोमवार 21 अक्टूबर 2024

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

350 महिलाओं ने एक साथ की करवा चौथ पूजा

छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा द्वारा पंजाब केसरी भवन में सामूहिक करवा चौथ व्रत पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें 350 महिलाओं ने हिस्सा लिया। पारंपरिक पूजा करने के बाद महातम्बोला खेला गया, जिसमें अनेक पुरस्कार बांटे गए। बेस्ट करवा चौथ ड्रेस, करवा चौथ क्वीन, लकी क्वीन जैसी अन्य प्रतिस्पर्धाएं हुईं, जिसमें विजेता को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में पहले करवा चौथ और 25वां व्रत रखने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में समाज के अध्यक्ष जवाहर खन्ना ने महिलाओं को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं।

माता करवा की कथा

पंजाबी सनातन सभा द्वारा जोरा स्थित भवन में सामूहिक करवा चौथ का आयोजन किया गया। जहां दो सौ से अधिक महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4 बजे की गई, जहां सबसे पहले माता करवा, माता पार्वती व भगवान शंकर की उपासना की गई। जिसके पश्चात सुहागिन महिलाओं द्वारा कथा सुनी गई। देर रात तक आयोजित कार्यक्रम में महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पहुंचीं।

रायपुर। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखा। जहां शाम को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए करवा माता, भगवान शिव, माता पार्वती, विघ्नहर्ता मंगलमूर्ति भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा-अर्चना की। वहीं देर रात तक चांद के इंतजार में महिलाएं आसमान की ओर टकटकी लगाती नजर आईं। रविवार को सुबह से ही बादल छाए रहे, जिसके कारण देर रात चांद बादलों में छिपा रहा। सोलह श्रृंगार कर महिलाएं छत पर देर रात तक चांद का इंतजार करती रहीं, चांद के दर्शन होने के बाद ही व्रती महिलाओं ने व्रत का पारण किया। रविवार को सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। व्रती महिलाएं सोलह श्रृंगार के साथ पूजन स्थल पर एकत्रित हुईं। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर करवा चौथ की पूजा का आयोजन किया गया, जहां महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। पूजा के बाद देर रात चांद के दर्शन व पूजा कर महिलाओं ने जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण किया। शहर के कई स्थानों में हल्की बारिश के बाद भी देर रात चांद बादलों से बाहर निकला। चांद नजर आने तक महिलाओं ने व्रत जारी रखा।

सात समंदर पार पति को वीडियो कॉल कर तोड़ा व्रत

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिन महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत, खराब मौसम के कारण चांद ने कराया इंतजार

वीडियो कॉल कर व्रत पूरा किया

अनिता किंगर ने बताया, बीते 40 वर्षों से लगातार करवा चौथ का व्रत रख रही हूं। वर्तमान में मेरी उम्र 61 वर्ष है, इस वर्ष भी पति की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। इस वर्ष पति के चाइना टूर पर जाने के कारण वीडियो कॉल के माध्यम से व्रत पूर्ण किया। शादी के बाद साल 1985 में पहली बार करवा चौथ का व्रत रखा था, जो आज तक यादगार है।

45 साल से करवा चौथ का व्रत

रीता ने बताया, 45 साल से हर बरस पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रख रही हूं। साल 1980 में पहला करवा चौथ का व्रत रखा, उस दौरान पति ने साड़ी व झुमका उपहार स्वरूप भेंट दिया था। करवा चौथ में सरगी के वक्त परिवार के सदस्य होते थे, लेकिन अब पति का साथ भी सरगी के दौरान होता है।

यह पहला करवा चौथ व्रत

मेघा साहनी ने बताया, यह मेरा पहला करवा चौथ व्रत है। इस दौरान कई रस्में निभाई जाती हैं, जिसकी जानकारी घर के बड़ों में मिल रही है। सुबह 4 बजे सरगी खाई, जो सास की ओर से तैयार की जाती है।

करवा चौथ व्रत का सामूहिक आयोजन

होटल सेलिब्रेशन में करवा चौथ का सामूहिक आयोजन किया गया। जहां शहर की सौ से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान महिलाएं सोलह श्रृंगार में नजर आईं, वहीं कुछ महिलाएं अपनी शादी की साड़ी में दिखीं। शाम 4 बजे से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने माता करवा और श्रीगणेश की कथा सुनी। इस अवसर पर बेस्ट ड्रेसअप की विजेता सोनिया, बेस्ट मेकअप में हनी और ग्रुप गेम की विजेता कशिश सुंदरानी रहीं।

लाइव इवेंट

कैंसर की रोकथाम में प्रिवेंशन व स्क्रीनिंग मैथड्स सबसे ज्यादा जरूरी

रायपुर। हम प्रिवेंशन व स्क्रीनिंग के द्वारा कैंसर जैसी बीमारी को बढ़ने से पहले रोक सकते हैं। प्रिवेंशन के तहत तंबाकू उत्पाद का सेवन, धूम्रपान और मोटापा को कम करना है। इनके दुष्प्रभावों का जिक्र करते हुए सेमिनार के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ राकेश कुमार मिश्रा, एमबीबीएस, एमडी, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल का स्वागत युवा संस्था के युवाओं ने शॉल, श्रीफल एवं सूत की माला भेंट करके किया। तब मुख्य वक्ता ने कहा कि यह माना जाता है तंबाकू उत्पाद का इस्तेमाल करने से मुंह का कैंसर होता है। सच यह है कि इससे शरीर में मुंह से लेकर पेशाब थैली तक करीब अठारह जगहों में कैंसर की संभावना बनती है। वहीं धूम्रपान का मतलब धुंआ से लोग लगाते हैं, जबकि यह कम लोग जाने है कि इस धुंए में 6000 केमिकल होते हैं। इनमें 70 केमिकल कैंसर कारक होते हैं।

रोकथाम पर जोर देना चाहिए

रविवार को सिविल लाइन स्थित युवा संस्था में स्वास्थ्य ही धन है विषय पर कहा कि कैंसर जैसी बीमारी से जागरूक करके ही लोगों को स्वस्थ जीवन शैली से जोड़ सकते हैं। आयोजित सेमिनार में सुबह 08 से 11 बजे के बीच डॉ. मिश्रा ने कहा कि कैंसर होने के बाद उपचार कराने के साथ ही रोकथाम पर जोर देना चाहिए। लोगों को हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाने की सलाह दी। पीएससी के साथ कई प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों से कहा कि प्रतिदिन 30 मिनट आउटडोर एक्टिविटी को करें, इससे सेहत में सुधार आएगा। डॉ. मिश्रा ने कैंसर के इलाज के तरीकों कीमोथेरेपी, टारगेटेड और इम्यूनोथेरेपी के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा की लोगों में यह गलत धारणा है कि कैंसर का इलाज दर्दनाक होता है, यह सही नहीं है।

कई बीमारियां स्वतः ख़त्म हो..

युवाओं से कहा कि रोज आउटडोर गेम खेलने जाए, क्योकि जब खेलते हैं, दोस्तों के साथ समय बिताते हुए खुश रहते हैं तो एंडोर्फिन हार्मोन शरीर में निकलता है। इससे कई बीमारियां स्वतः ख़त्म हो जाती हैं। युवा की छात्राओं से कहा कि महिलाओं में सर्वाधिक कैंसर सर्वाइकल और ब्रेस्ट का होता है। इससे बचाव के लिए ग्यारह वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाना चाहिए। उसी तरह बड़ी उम्र की महिलाओं के स्तन में गांठ की शिकायत होने पर मैमोग्राम टेस्ट कराएं, इससे भी कैंसर का पता लगा सकते हैं।

सिटी इवेंट

बस्तरिया नृत्य में दिखी छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति, मुरिया जनजाति ने मोहा मन

रायपुर। उरांव आदिवासी कल्याण समिति द्वारा 'स्व. डॉ. विशप फिलिप एक्का मेमोरियल फुटबाल प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। निरंतर दो माह तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का समापन रविवार को कापा स्थित होलीक्रॉस सीनियर सेकण्डरी स्कूल में किया गया। समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि डॉ. विक्टर हेनरी ठाकुर शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विशेष अतिथियों में सेबेस्टियन पूमट्टम, सुमन बरवा, शांति पन्ना, दिलीप लकड़ा, तेज कुमार मिंज, विनोद टोप्पो, अजय जोजो, अमित तिर्की शामिल हुए। समिति के प्रचार-प्रसार अधिकारी अजय कुजूर ने बताया, बीते 10-12 साल से समिति द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के सदस्यों को एकजुट करना है। विगत दो माह से राज्य स्तर पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा था, जिसका समापन रविवार को किया गया। इस स्पर्धा में राज्य की कुल 24 टीमों ने हिस्सा लिया, समिति द्वारा सभी टीमों से उत्तम प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर एक टीम का निर्माण किया जाएगा।

आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति

मुख्य अतिथि के स्वागत समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सामूहिक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। जहां 50 से अधिक लोगों ने आदिवासी वेशभूषा में पारंपरिक गीत की धुन पर प्रस्तुति दी। अतिथि के स्वागत समारोह में शानदार प्रस्तुति के पश्चात महिलाओं द्वारा स्वागत गीत पेश किया गया, जिसमें 20 से अधिक महिलाएं शामिल रहीं। प्रतियोगिता की शुरुआत से ही दोनों टीमों के खिलाड़ियों की शानदार प्रस्तुति देखने को मिली। जिन्होंने फुटबॉल की न्यू टेक्नीक का प्रयोग कर दर्शकों को आकर्षित किया। वहीं कई लोग टीम के खिलाड़ियों को नारे लगाकर प्रोत्साहित करते दिखे।

दलदल सिवनी की टीम विजेता

प्रतियोगिता के अंतिम दिन गीनाभार जशपुर व रायपुर दलदल सिवनी की टीम के बीच फाइनल मैच हुआ, जिसमें दलदल सिवनी टीम विजेता रही। उन्होंने शानदार प्रस्तुति से दूसरी टीम के खिलाड़ियों को हराकर अपना नाम दर्ज कराया। दोपहर 3 बजे से शुरू हुई प्रतियोगिता का समापन देर शाम को किया गया। इसमें सभी विजेता खिलाड़ियों के नाम की घोषणा व पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति के अध्यक्ष आनंद कुमार एवं सचिव अजय लकड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिपिन किशोर मिंज ने की।

मराठी मेले में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, ज्वेलरी, रेडीमेड गारमेंट्स के साथ व्यंजनों का सजाया स्टॉल

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में मराठी मेले के दूसरे दिन रविवार को सुबह 10 बजे से ही बड़ी संख्या में लोग एंजाय करने के मूड में जुटे। रंगोली, मेहंदी, फायरलेस कुकिंग, आकाशदीप बनाओ, फैंसी ड्रेस, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी, मराठी निबंध और गन शाट स्पर्धाओं में हर आयु वर्ग के बच्चों, युवाओं और बड़ों ने आकर्षक पुरस्कार जीतने के लिए हरसंभव प्रयास किया। फिल्मी गानों के साथ कपल रैंपवाक, कुर्सी दौड़ से लेकर शाम ढलने तक अनेक आयोजनों में बड़ी संख्या में लोग थकने का नाम ही नहीं ले रही थे। सखी निवास प्रभारी नमिता शेष ने बताया कि सुबह 10 बजे से ही 'एक पौधा मां के नाम' की थीम पर आकर्षक रंगोलियां बनाई गईं। 17 प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की आकर्षक रंगोलियों में से सोनल किरवई परचुरे की रंगोली सर्वश्रेष्ठ रही। स्नेहल खरे को उपविजेता और क्षिप्रा आष्टीकर की रंगोली को तीसरा स्थान दिया गया।

प्रतियोगी में दिखी कला व संस्कृति की झलक

आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था काले के अनुसार धार्मिक प्रश्नोत्तरी के लिए छह टीमें आमने सामने थीं। इन टीमों में से वशिष्ट टीम विजेता रही। उपविजेता गौतम एवं भारद्वाज टीम को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। कला एवं संस्कृति की उपप्रमुख अंकिता किरवई ने बताया कि मेहंदी स्पर्धा में 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो वर्गों मे हुई इस स्पर्धा में स्वर्णिमा मांजरे जूनियर वर्ग से विजेता रहीं। अक्षदा किरवई उपविजेता और दिव्यांग बालिका विकास गृह की महालक्ष्मी साहू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर वर्ग में सोनल परपुरे प्रथम, टीना सोनी द्वितीय और श्रेया तृतीय स्थान पर रहीं। आकर्षक वेशभूषा धारण कर महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागृह में पहुंचे मासूम सी अभिज्ञा शुक्ला विजेता रहीं। अभिज्ञा का झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का सौम्य रूप देखने के लायक था। वहीं वीर सावरकर बने पार्थ शेष ने सभी का ध्यान खींचा और उपविजेता रहे। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई बनीं मानुसी फडनवीस को भी सबकी वाहवाही मिली।

बाइक राइडर्स का समूह बस्तर के लिए हुआ रवाना

रायपुर। राइड फ़ॉर पीस बाइक रैली के सभी राइडर्स देश प्रेम का जज्बे लेकर मानवता, शांति, एकता, भाईचारे का पैगाम लेकर छत्तीसगढ़ राज्य के सुदूर बस्तर संभाग के लिए 6 दिनों की यात्रा पर रवाना हुए।

रविवार सुबह राइड फ़ॉर पीस बाइक रैली को सर्व धर्म समाज से गोपाल साहू, राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा से कुरैशी, पंडित आरके तिवारी, बिशप छत्तीसगढ़ डायसिस सुश्री सुषमा कुमार, कोषाध्यक्ष जयदीप रॉबिनसन, सचिव व बाइक रैली संयोजक नितिन लॉरेंस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाइक रैली में युवतियों के साथ महिलाएं भी शामिल है। इनके द्वारा बस्तर संभाग के सभी जिलों में शांति एवं सद्भावना के लिए प्रेरित करने वाले नुक्कड़ नाटक भी किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज राज प्रधान व केन्द्रीय अध्यक्ष चुनाव

केन्द्रीय अध्यक्ष के लिए त्रिकोणीय संघर्ष, राज प्रधानों में रही कड़ी टक्कर

कार्नर न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के सात में से 06 राज प्रधानों के साथ ही केन्द्रीय अध्यक्ष की चुनावी सरगर्मी रविवार की देर-रात तक रही। इसको लेकर समाज के बीच जहां चर्चा का दौर जारी रहा, वहीं मतगणना स्थल पर तीन साल के लिए केन्द्रीय अध्यक्ष का चुनाव जितने के लिए दावेदारों के बीच त्रिकोणिय संघर्ष की चर्चा रही। वहीं सात में से दुर्ग राज प्रधान चुनाव से पहले ही एक राज प्रधान का प्रत्याशी निर्विरोध है। इनके अलावा धरसींवा से - नीलमणि परगनिहा, धमधा से सत्यभामा परगनिहा और पलारी से रामखिलावन आगे चल रहे थे। इसी तरह बलौदाबाजार से सुनीता, तिल्दा से ठाकुर राम वर्मा और रायपुर से जागेश्वर वर्मा भी गिनती में आगे चल रहे थे।

परिणाम की घोषणा के बाद शपथ..

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ऋषि वर्मा ने बताया कि सभी परिणाम 21 अक्टूबर को घोषित होंगे। अभी हर राज प्रधान व केन्द्रीय अध्यक्ष के लिए लोगों द्वारा किए गए मतदान की गिनती चल रही है। इस चुनाव में निर्वाचित प्रत्याशियों की घोषणा 21 अक्टूबर को तीन बजे के बाद नरदहा स्थित केन्द्रीय निर्वाचन कार्यालय में किया जाएगा। इसके बाद समाज के संरक्षकों की मौजूदगी में सभी निर्वाचित राज प्रधान और केन्द्रीय अध्यक्ष को गोपनियता की शपथ दिलाई जाएगी। इसमें समाज के लोग भी सहभागी होते हैं। इनके बीच चुनाव परिणाम घोषित होंगे।

मतदन करने छलका उत्साह

रविवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 03 बजे तक चुनावी राज क्षेत्र के मतदान केन्द्रों तक हर वर्ग के लोग पहुंचे। 670 बुथों पर आसानी से मतदान कर सकें, इसके लिए बिजली, पानी, पंखा के साथ बुजुर्गों के लिए कुर्सी का भी इंतजाम था। चुनाव प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए हर केन्द्र में 4-4 अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी थी। आजाद चौक स्थित सामाजिक भवन में लोग कम पहुंचे थे, लेकिन मतदाताओं के लिए इंतजाम पुख्ता था। सुन्दर नगर केन्द्र में हर वर्ग के मतदाता उत्साह से पहुंचे। इनमें युवाओं के साथ कुछ एक बुजुर्ग मतदाता चुनाव में भागीदारी निभाने न केवल मतदान केन्द्र तक पहुंचे, बल्कि नंबर के आधार पर आस-पास रखी कुर्सियों पर बैठकर इंतजार किया।

समाज इवेंट

समसामयिक विषयों पर उकेरी रंगोली, नारी सशक्तिकरण, प्रकृति की झलक भी

रायपुर। दिशा कॉलेज में सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉक्टर ए.के तिवारी ने कहा कि इस ज्ञान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी युग में समय भाव के कारण मनुष्य अपने भावों एवं विचारों को व्यक्त नहीं कर पता है, उसे समय अपनी मानसिक थकान इसी प्रकार की मनोरंजक व क्रियात्मक गतिविधियों में भाग लेकर पूर्ण करता है।

प्रथम स्थान पर श्रेयांश और प्रियांशी

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेयांश पांडे, प्रियांशी साहू और खुशी तारक द्वितीय स्थान पर अंजू और उर्वशी, निम्मी साहू पीजीडीसीए व तृतीय स्थान रितु साहू व आंचल, आयुष साहू रहे। रंगोली प्रतियोगिता में निर्णायक विजय निषाद, आर्ट शाला, सीमा पाठक विभागअध्यक्ष कंप्यूटर साइंस व डॉ. विद्या नायर निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सांस्कृतिक समिति की कोऑर्डिनेटर डॉक्टर वंदना शर्मा, पूनम शुक्ला अमृता राठौर ने सहयोग दिया।

सिटी इवेंट

नेशनल केमिस्ट्री वीक में स्टूडेंट्स ने जाना रसायन विज्ञान का महत्व

रायपुर। नेशनल केमिस्ट्री वीक के अवसर पर सरस्वती महाविद्यालय में रसायन विज्ञान पर आधारित पोस्टर, वाद-विवाद और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजमर्रा की जिंदगी में रसायन विज्ञान का महत्व बढ़ाना तथा जागरूकता लाना था। महाविद्यालय की रसायन शास्त्र विभाग द्वारा स्पेक्ट्रम केमिकल सोसायटी के अंतर्गत नेशनल केमिस्ट्री वीक का आयोजन किया गया। नेशनल केमिस्ट्री वीक के प्रथम दिन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय रसायन विज्ञान पर आधारित पहेली था।

ये रहे विजेता

महाविद्यालय बीएससी द्वितीय वर्ष कंप्यूटर साइंस की छात्राओं फुलप्रीत, पूजा, तथा लक्ष्मी ने क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पर एमएससी रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर की छात्राएं अनुकृति, अंकिता व रश्मि रही। तृतीय स्थान पर एमएससी रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर की छात्राएं रेणुका शीतल, चंद्रकिरण रही। प्रतियोगिता में जज विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी विभाग डॉ शिवानी शर्मा और विभागाध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजी विभाग डॉ शमा ए. बेग जज के रूप में उपस्थित थी।

ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर ने कहा- हार के बाद जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं, इसलिए हिम्मत न हारें, आगे बढ़ते रहें

29 राज्यों को भायी छत्तीसगढ़ की मेहमान नवाजी, खिलाड़ियों ने कहा-अब भ्रमण के लिए पहली पसंद रहेगा आपका प्रदेश

अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ है। पांच दिनों तक चले इस प्रतियोगिता में 29 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश के 3000 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं को भी करीब से देखने का मौका मिला।

रायपुर। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर ने प्रतिभागियों का उत्साह दोगुना कर दिया है। कार्यक्रम में मनु के साथ फोटो खिंचवाने और ऑटोग्राफ लेने के लिए प्रतिभागियों के बीच होड़ मच गई। इस दौरान मनु में खिलाड़ियों के टोपी में अपना ऑटोग्राफ दिया। इसके अलावा पुरस्कार वितरण के दौरान समूह में खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाई। समापन के अवसर पर दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों ने कहा कि आज तक छत्तीसगढ़ को टीवी में नक्सल घटनाओं के वजह से देखा था। लेकिन यहां आकर सुरक्षित और सुकून महसूस हुआ है। असम, जम्मू और अरुणाचल के खिलाड़ियों ने कहा कि पांच दिनों तक खेल के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के रहन-सहन और कला संस्कृति ने भी प्रभावित किया है। अब भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ आना चाहते हैं।

छत्तीसगढ़ में देवभूमि जैसा अनुभव

खिलाड़ियों के साथ ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर को भी छत्तीसगढ़ की संस्कृति व पर्यावरण भा गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से छत्तीसगढ़ आने के बाद तो देवभूमि जैसा अनुभव हुआ है। हमारे जीवन में वन और वन्य जीवों का बहुत महत्व है। हम सभी को साथ मिलकर वन और वन्य जीवो के लिए काम करना चाहिए। हमें सबसे अच्छी बात लगती है की हमेशा आगे बढ़ना चाहते है, ऊंचा उठना चाहते है। कभी भी हम छोटा नहीं सोचते है। हम इसी सोच से आगे बढ़ते है।

अब उत्तराखंड में होगा फॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट

समापन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने खेल के महत्व पर कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास के लिए अहम होता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को विजेता बनने पर बधाई दी। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आयोजन की सफलता के लिए विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारियों को बधाई दी। आगामी वर्ष का आयोजन के लिए उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने मंच से घोषणा करते हुए बताया कि इसका अगला संस्करण का प्रतियोगिता उत्तराखंड में होगा। समारोह में नोडल ऑफिसर शालिनी रैना ने उत्तराखंड के मंत्री श्री सुबोध उनियाल को ध्वज हस्तांतरण किया।

छत्तीसगढ़ की लोक गीतों पर झूमे प्रतिभागी

कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर सुवर्णा तिवारी ने अपनी दिलकश आवाज से प्रतिभागियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। हिंदी गानों पर सुवर्णा ने कार्यक्रम में समा बांधा। वही दूसरी ओर सुप्रसिद्ध बस्तर बैंड और छत्तीसगढ़ की लोकगाथा लोरिक चन्दा की प्रस्तुति देखकर दूसरे राज्यों के प्रतिभागी भी झूम उठे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी गीतों पर हर कोई आनंद लेते हुए नजर आए।

संस्कृति और परम्परा से रूबरू हुए प्रतिभागी

प्रतियोगिता में राज्य की संस्कृति और खान-पान की विशेषताएं सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। प्रतिदिन प्रतियोगिताएं व संध्या सांस्कृतिक कार्यक्रमों से यहां की संस्कृति, परम्परा और स्थानीय संगीत से प्रतिभागियों को रूबरू कराया गया। न बल प्रमुख श्रीनिवास राव ने कहा कि खिलाड़ियों ने खेल कौशल को निखारे व विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और भावनाओं के प्रति भी एक-दूसरे का सम्मान किए। यह आयोजन न केवल प्रतिस्पर्धा का पर्व रहा, बल्कि भाईचारे, मेहनत और सामूहिक एकता का उत्सव भी दिखा।

खिलाड़ियों को दिए 1200 पदक

छत्तीसगढ़ 97 गोल्ड के साथ प्रथम स्थान पर रहा, छत्तीसगढ़ ने सिल्वर, 33 कांस्य पदक के साथ कुल 731 प्वाइंट्स लेकर रिकॉर्ड जीत हासिल करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं दूसरे स्थान पर केरल ने गोल्ड, 37 सिल्वर, ब्रोंज 27, कुल अंक 380 के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरा स्थान मध्य प्रदेश ने गोल्ड, 26 सिल्वर और 25 कांस्य पदक के साथ कुल अंक 353 प्राप्त किया। तीन दिनों तक चली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के बीच 23 खेलों की 300 विधाओं जैसे एथलेटिक्स, बैडमिंटन, लॉन टेनिस, वेटलिफ्टिंग, कैरम, स्वीमिंग, तीरंदाजी, कबड्डी, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल आदि खेल व्यक्तिगत व समूह में हुए।

दीपावली से भाईदूज तक मैनपाट, चित्रकोट व अमरकंटक के रिसोर्ट पैक, विंटर सीजन में हिल स्टेशन की बुकिंग अधिक

रायपुर। प्रदेश के हिल स्टेशन में ठंड बढ़ने के साथ पर्यटकों से गुलजार होने लगे हैं। बरसात और गर्मी की तुलना में नवंबर से जनवरी के बीच ठंड में ज्यादातर लोग हिल स्टेशन और जंगलों के भ्रमण के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान ही वन और पर्यटन विभाग को पर्यटकों से सर्वाधिक आमदनी होती है। वर्तमान में दीपावली से भाई दूज तक मैनपाट, कुरदर, चिल्फी घाटी व बारनवापारा समेत चित्रकोट के रिसॉर्ट पैक हो चुके हैं। दीपावली के दूसरे दिन के लिए सर्वाधिक बुकिंग है। पर्यटन विभाग के रिसार्ट बुक होने से अब वन विभाग और प्राइवेट होटल में भी पूछपरख बढ़ी है। दीपावली के अवसर पर हिल स्टेशन, जंगलों में एडवेंचर और कैंप ट्रिप पहली पसंद बने हुए हैं। दीपावली के अवसर पर इन दिनों विशेष ऑफर भी दिए जा रहे हैं। इस वजह से बुकिंग बढ़ गई है।

मैनपाट में तेज हुई रिसॉर्ट बुकिंग

मैनपाट में सुबह और रात के वक्त अब ठंड बढ़ने लगी है। यहां पर्यटन विभाग के दो रिसॉर्ट हैं, तो वहीं दर्जन से अधिक प्राइवेट होटल की भी सुविधा है। वर्तमान में 1 से 3 नवंबर तक कमलेश्वरपुर में रिसॉर्ट में बुकिंग फुल हो चुकी है। शैला रिसॉर्ट में भी अब कुछ कमरे ही बचे हैं। विभाग के मुताबिक, पर्व के चलते कई लोगों ने अक्टूबर के शुरुआत से ही बुकिंग करवा ली थी। हिल स्टेशन में कैम्पनिंग के लिए भी यहां रात गुजारना चाहते हैं।

जंगलों में अचानकमार और बार नवापारा पहली पसंद

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक पर्यटक इस विंटर सीजन जंगलों का भ्रमण करना चाहते हैं। इसके लिए अचानकमार टाइगर रिजर्व में बना वन विभाग का बैगा रिसॉर्ट दीपावली के लिए बुक होने लगा है। यहां हरियाली और खुली जिप्सी में भ्रमण का रोमांच तथा वन्य प्राणियों का विचरण करीब से देखा जा सकता है। इस तरह जंगलों से घिरे बार नवापारा में भी ठंड अधिक पड़ती है। ठंड में यहां जितनी सुहानी शाम होती है, उतनी ही सुबह भी। यही वजह है कि पर्यटकों को बारनवापारा घूमना खूब भाता है। यहां नवंबर में शनिवार-रविवार को रिसॉर्ट अभी से बुक हो चुके हैं। 31 से 3 नवंबर तक बुकिंग अधिक है।

भगवान महावीर ने उपदेश तो बहुत दिए पर आदेश एक ही, न राग रखो न द्वेष

रायपुर। भगवान महावीर ने समस्त जीवों के कल्याण के लिए उपदेश तो बहुत दिए, पर आत्मा की आदेश के लिए एकमात्र आदेश दिया। न राग रखो, न द्वेष। ये दोनों मानव के आत्मा के विकास में सबसे बड़े बाधक हैं। ये दोनों भावनाएं व्यक्ति को स्वार्थी और अहंकारी बनाते हैं, जिससे उसकी आत्मा का शुद्धिकरण नहीं हो पाता। एमजी रोड स्थित श्री जैन दादाबाड़ी में विराजित श्री विराग मुनि ने ये बातें कही। वे उपधान तप के अंतर्गत जारी विशेष प्रवचन श्रृंखला के तहत धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राग-द्वेष को नियंत्रित करने के लिए हमें अपने मन, वचन और क्रिया को संतुलित करना चाहिए।

उत्साह से कर रहे तपस्या

आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख, महासचिव नरेश बुरड़ और कोषाध्यक्ष अनिल दुग्गड़ ने बताया कि दादाबाड़ी में जारी उपधान तप के अंतर्गत अभी 110 से ज्यादा तपस्वी तपस्या कर रहे हैं। इनमें 7 साल के छोटे बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग भी शामिल हैं। 51 दिनों की इस तपस्या में सभी एक दिन गरम पानी, अगले दिन उपवास करते हुए परिवार से दूर साधु जीवन बिता रहे हैं। इस अवधि में वे एसी-कूलर, मोबाइल, लाइट समेत सभी भौतिक सुविधाओं से दूर रहेंगे।

अविनाश स्मार्ट सिटी के शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज

रायपुर। अविनाश ग्रुप के अविनाश स्मार्ट सिटी में शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा और भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन समाज के सभी वर्गों के लिए खुला रहेगा और शिव भक्तों के लिए एक विशेष अवसर प्रदान करेगा। रविवार को शुभारंभ हुआ है। इस दौरान पूजन विधि के साथ हवन का हुआ, जिसमें पंडितों द्वारा विशेष मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठान किए। आज प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। जहां भगवान शिव की मूर्ति को विधिवत मंदिर में स्थापित किया जाएगा। इस दिन विशेष आरती और पूजा का आयोजन भी होगा। 21 अक्टूबर समापन दिवस पर भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें सभी आगंतुकों के लिए प्रसाद वितरण होगा। यह दिन समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होगा। पहले दिन बड़ी संख्या में लोग अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे। आज प्राण प्रतिष्ठा में वैदिक मंत्रोच्चारण से विधिवत स्थापना की जाएगी। यह मंदिर धार्मिक आस्था का केन्द्र बना हुआ है। यह मंदिर सभी समाज के लोगों के लिए खुला रहेगा। अनुष्ठानों में सभी वर्ग के लोग शामिल हो सकते हैं।

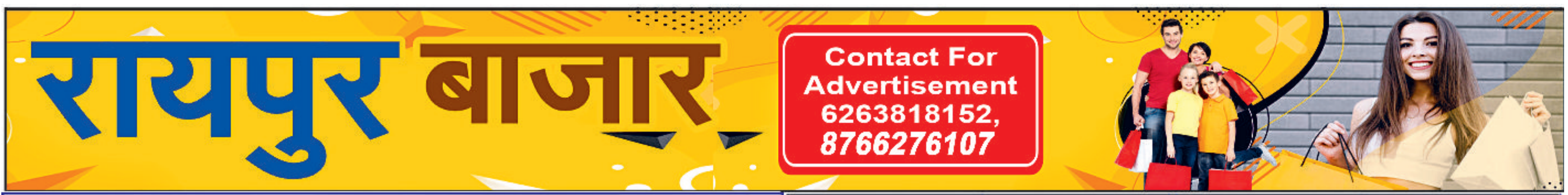

जंप स्क्वॉट्स करते हुए छोटी-छोटी गलतियों से लग सकती है चोट

वर्कआउट करते हुए हम सभी स्क्वॉट्स को जरूर करती हैं। लेकिन अगर आप अपने वर्कआउट रूटीन को नेक्स्ट लेवल पर ले जाना चाहती हैं तो ऐसे में जंप स्क्वॉट्स करने पर विचार करें। जंप स्क्वाट्स उन किलर एक्सरसाइज में से एक है जो आपको कुछ ही सेकंड में ऐसा महसूस कराती है कि आप कड़ी मेहनत कर रही हैं। इसे आप अपने लेग डे से लेकर HIIT के दौरान शामिल कर सकती हैं। चूंकि इसमें आपको जंप करना होता है, इसलिए थोड़ा अतिरिक्त ध्यान रखने की जरूरत होती है। किसी भी अन्य एक्सरसाइज की तरह अगर जंप स्क्वाट्स को गलत तरीके से किया जाता है तो इससे आपको चोट लग सकती है। यकीनन आप ऐसा कभी नहीं चाहेंगी। इससे आपको घुटने के दर्द से लेकर पीठ के दर्द तक, यहां तक कि इंजरी भी हो सकती है। इसलिए यह विशेष रूप से सलाह दी जाती है कि जंप स्क्वाट्स करते समय आप छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखें और कुछ गलतियों से बचें। फिटनेस एक्सपर्ट और योग विशेषज्ञ जितेन्द्र कौशिक बता रहे हैं कि जंप स्क्वाट्स करते समय आपको किन-किन गलतियों से बचना चाहिए-

खराब पोश्चर होना

जब आप जंप स्क्वाट्स करते हैं तो उस दौरान आपका पोश्चर काफी मायने रखता है। कई बार लोग कूदते समय अपनी पीठ को झुकाते या हल्का झुकते हैं। लेकिन ऐसा करने से आपकी पीठ के निचले हिस्से पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए, पीठ दर्द से बचने के लिए आपको अपनी छाती को ऊपर, कंधों को पीछे और कोर को पूरे समय एक्टिव रखना चाहिए। इससे आपकी रीढ़ अधिक सुरक्षित स्थिति में रहती है।

नियमित अंतराल पर जांच कराएं और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने उपाय अपनाएं

हाई कोलेस्ट्रॉल से सिर्फ हृदय ही नहीं, दूसरे अंगों पर भी पड़ता है असर, तुरंत कराएं जांच

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की स्थिति को सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता रहा है, इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव हृदय स्वास्थ्य पर देखा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल के शिकार लोगों में हृदय रोग, हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का खतरा काफी अधिक हो सकता है। सभी लोगों को नियमित अंतराल पर इसकी जांच और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने वाले उपाय करते रहना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल एक मोम और वसा जैसा पदार्थ होता है, अच्छे स्वास्थ्य के लिए इसकी सही मात्रा आवश्यक है। शरीर को कुछ प्रकार के हार्मोन्स, विटामिन-डी और भोजन को पचाने में मदद करने वाले पदार्थों को बनाने के लिए कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है। हालांकि यदि आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है तो इसके कई दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक होने के कारण प्लाक का जमाव होने लगता है। प्लाक के कारण धमनियां संकरी या अवरुद्ध हो सकती है। इस तरह की स्थिति रक्त के प्रवाह को बाधित कर देती है जिससे हृदय स्वास्थ्य पर गंभीर असर हो सकता है।हालांकि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के दुष्प्रभाव सिर्फ हृदय रोगों तक ही सीमित नहीं हैं, इसका शरीर पर और भी कई तरह से नकारात्मक असर हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल, हृदय के लिए क्यों हानिकारक है?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की स्थिति कई प्रकार से हृदय के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। सबसे पहले हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण आपकी धमनियों में प्लाक बनने का खतरा रहता है, जो इसे संकीर्ण कर देती हैं। इस स्थिति में हृदय में रक्त का प्रवाह अवरुद्ध होने लगता है। हृदय तक सही तरीके से या निरंतर रक्त न पहुंचने के कारण सीने में दर्द या दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल शरीर में इंफ्लामेशन बढ़ाने वाली भी मानी जाती है, जिससे रक्त वाहिकाएं सख्त हो सकती हैं। इससे आपके हृदय को रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे रक्तचाप बढ़ा रहता है। ब्लड प्रेशर बढ़े रहने के कारण भी हृदय रोगों का खतरा हो सकता है।

स्ट्रोक का भी बढ़ जाता है खतरा

हाई कोलेस्ट्रॉल के दुष्प्रभाव सिर्फ हृदय रोगों तक ही सीमित नहीं हैं, इसके कारण स्ट्रोक का भी जोखिम हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल के कारण बनने वाले प्लाक सिर्फ आपके दिल और उसके आस-पास की रक्त वाहिकाओं को ही प्रभावित नहीं करते हैं, वे मस्तिष्क तक जाने वाली कुछ धमनियों को भी संकीर्ण कर देते हैं। अगर मस्तिष्क तक रक्त ले जाने वाली कोई वाहिका पूरी तरह से अवरुद्ध हो जाती है, तो आपको स्ट्रोक हो सकता है। स्ट्रोक और हार्ट अटैक दोनों को मौत के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है।

बढ़ सकती हैं डायबिटीज की जटिलताएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें कोलेस्ट्रॉल को लेकर और भी अलर्ट रहने की आवश्यकता होती है। हाई ग्लूकोज और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या आपके लिए कई तरह से जटिलताओं को बढ़ाने वाली मानी जाती है। डायबिटीज वाले लोगों में हृदय रोगों का खतरा भी अधिक होता है, इसलिए मधुमेह के शिकार लोगों को कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर दोनों को कंट्रोल में रखना जरूरी है।

इरेक्टाइल डिस्फंक्शन के हो सकते हैं शिकार

हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण नपुंसकता बढ़ने का भी जोखिम देखा जाता रहा है। लंबे समय में, कोलेस्ट्रॉल का स्तर अधिक रहने के कारण जननांग की छोटी रक्त वाहिकाओं के संकुचित होने का भी खतरा हो सकता है इससे इरेक्शन प्राप्त करने में भी कठिनाई होती है। हाई कोलेस्ट्रॉल आपके हृदय और लिंग दोनों में रक्त के प्रवाह को बाधित कर सकती है, जिसके कारण इरेक्टाइल डिस्फंक्शन का जोखिम हो सकता है।

सिटी स्पोर्ट्स

रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आगे

रायपुर। बी.सी.सी.आई. की ओर से रणजी ट्रॉफी 2024-25 का आयोजन 11 अक्टूबर से जारी है। जिसमें ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा मैच (18 - 21 अक्टूबर) राजकोट में सौराष्ट्र टीम के विरुद्ध खेला गया। तीसरे दिन छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 174 ओवरों में 7 विकेट खोकर 578 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान अमनदीप खरे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये नाबाद 203 रन बनाये ।

इसके अतिरिक्त संजित देसाई ने भी शानदार शतक लगाते हुये 146 रनों की पारी खेली। शुभम अग्रवाल तथा आयुष पांडे ने 52-52 रनों का योगदान दिया। सौराष्ट्र की ओर से धर्मेन्द्र जडेजा, नवनीत तथा पार्थ ने 2-2 विकेट प्राप्त किए। जबकि जयदेव उनतकट विकेट लेने में असफल रहे। सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी में 55 ओवरों में 2 विकेट खोकर 177 रन बना लिए है। सौराष्ट्र ने अपने दोनों प्रारंभिक बल्लेबाज जल्दी खो दिये। परंतु चेतेश्वर पुजारा तथा शेल्डन जैक्सन ने पारी को संभालने हुये तीसरे विकेट के लिये 96 रनों की साझेदारी की।

अखिल भारतीय खो-खो में मध्य रेलवे की टीम प्रथम रही

रायपुर। 18 वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे पुरुष खो-खो प्रतियोगिता 2024-25 का समापन एवं पुरस्कार वितरण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक नीनु इटियेरा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट के सामने स्थित खो-खो ग्राउंड में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच मेजबान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम एवं मध्य रेलवे की टीम के मध्य खेला गया। जिसमें मध्य रेलवे की टीम मेजबान टीम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को पराजित कर इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता रही। दूसरे स्थान पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम एवं तीसरे स्थान पर पश्चिम रेलवे की टीम रही ।

इस प्रतियोगिता दक्षिण मध्य रेलवे,मध्य रेलवे,पश्चिम रेलवे,उत्तर रेलवे,रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की टीम ने हिस्सा लिया। इन टीमों से 13 ऑफिशियल के साथ लगभग 88 खिलाड़ी शामिल हुए। रेलवे से चयनित 14 रेफ़रियों के दल को जिम्मेदारी रेलवे बोर्ड द्वारा दी गयी थी । साथ ही यहां रेलवे बोर्ड से नामित 4 चयनकर्ता भी उपस्थित थे।

इस प्रतियोगिता के लीग मैचों में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को पराजित किया। मध्य रेलवे ने वेस्टर्न रेलवे को पराजित किया।

घर में बना रही हैं किचन गार्डन तो आजमाएं वास्तु के ये नियम

अपने मानसिक तनाव को दूर करने और शुद्ध पौधे लगाने के लिए घर में किचन गार्डन बनाना एक बेहतरीन तरीका माना जाता है। किचन गार्डन का भी एक वास्तु होना जरूरी है और आपको वास्तु के सही नियमों का पालन करते हुए ही घर में किचन गार्डन बनाने की सलाह दी जाती है।

किचन गार्डन के लिए सही दिशा जरूरी है

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में किचन गार्डन लगाने के लिए सबसे शुभ दिशा उत्तर-पूर्व दिशा या ईशान कोण मानी जाती है। यह दिशा आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और घर में समृद्धि, शांति और स्वास्थ्य में सुधार लाती है। इसके अलावा, पूर्व दिशा में भी किचन गार्डन बनाने से घर के सदस्यों को शारीरिक और मानसिक शांति मिलती है। इस दिशा में सूरज की पहली किरणें सीधे आती हैं, जो पौधों की वृद्धि के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होती हैं। यदि आप इस दिशा में किचन गार्डन बना रहे हैं तो आपके पूरे घर में इसके सकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार किचन गार्डन के लिए सही पौधों चुनना जरूरी है अगर आप घर में किचन गार्डन बना रहे हैं तो आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार सही दिशा के साथ सही पौधों का चयन भी करना चाहिए। किचन गार्डन के लिए हमेशा आप ऐसे पौधे चुनें जो सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा दें और आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हों।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अल पचिनो की पूर्व प्रेमिका ने लव लाइफ पर की बात, बिल माहेर संग रोमांस पर भी बोली

बीते कुछ समय से लोकप्रिय हॉलीवुड अभिनेता अल पचिनो की पूर्व प्रेमिका नूर अलफल्लाह की लव लाइफ को लेकर काफी चर्चा हो रही थी। उनकी और बिल माहेर के रोमांस की अफवाहें लगातार सामने आ रही थीं, जिस पर अब खुज नूर ने जानकारी साझा की है। हाल में ही नूर ने साफ कर दिया कि 68 वर्षीय कॉमेडियन बिल माहेर उनके केवल एक अच्छे दोस्त हैं। इस दौरान उन्होंने अल पचिनो के साथ अलगाव के बाद दोनों के बीच मौजूदा बॉन्डिंग को लेकर भी बात की है। नूर अलफल्लाह ने बिल माहेर संग रोमांस की अफवाहों पर कहा, ₹वह काफी अच्छे हैं, लेकिन हम केवल दोस्त हैं।₹ इस दौरान उन्होंने अपने और अल पचिनों के रिश्ते को लेकर भी जानकारी साझा की है। दरअसल उनसे वहां मौजूद पैपराजी ने पूछा कि 84 वर्षीय गॉडफादर स्टार के साथ उनके अब रिश्त कैसे हैं, जिसका जवाब देते हुए नूर ने कहा कि वह और पचिनो अब केवल अच्छे दोस्त हैं और अपने एक वर्षीय बच्चे रोमन के माता-पिता है। उन्होंने इस दौरान जोर देते हुए कहा कि रोमांटिक रिश्ते के खत्म हो जाने के बाद भी दोनों के बीच आपसी संबंध काफी बेहतर हैं। पेज सिक्स के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में नूर अलफल्लाह देर रात माहेर के साथ लॉस एंजिल्स में नजर आई थीं। उन्हें उनकी काली सेडान से बाहर निकलते देखा गया था। उससे कुछ ही घंटे पहले, उन्होंने पचिनो के साथ भी समय बिताया था। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्कर विजेता अभिनेता ने 25 सितंबर को नूर के 30वें जन्मदिन पर उनका साथ दिया था। हालांकि, माहेर के साथ बाहर जाने के बाद, उन्होंने लोगों से कहा कि वे केवल दोस्त थे। उनके प्रतिनिधि ने कहा, ₹अल और नूर बहुत अच्छे दोस्त हैं, वर्षों से हैं तथा अपने बेटे रोमन के सह-माता-पिता हैं।₹ बताते चलें कि साल 2023 में नूर ने रोमन की कस्टडी के लिए आवेदन किया था। अ

टॉलीवुड

'वेट्टैयन' के घाटे की भरपाई करेंगे रजनीकांत, चर्चा का बाजार सरगर्म

रजनीकांत की नवीनतम रिलीज 'वेट्टैयन' बॉक्स ऑफिस की उम्मीदों से मेल खाने में विफल रही है। दिलचस्प स्टार कास्ट के साथ रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को एक साथ लाने के बावजूद फिल्म अपने पहले सप्ताह के अंत में दुनिया भर में केवल 207 करोड़ रुपये ही जुटा सकी। अब, ऐसी खबरें सामने आई हैं कि फिल्म के पीछे के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने नुकसान की भरपाई के लिए सुपरस्टार से संपर्क किया है। हालांकि, इस पर आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लाइका प्रोडक्शन ने 'वेट्टैयन' के वित्तीय झटके की भरपाई करने के लिए रजनीकांत से उनके लिए एक और फिल्म करने के लिए कहा है। अभिनेता से अगले सहयोग के लिए अपना वेतन कम करने का भी अनुरोध किया गया है। कथित तौर पर यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि प्रोडक्शन हाउस की रजनीकांत के साथ आखिरी रिलीज फिल्में 2.0, 'लाल सलाम' और 'दरबार' भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। 'वेट्टैयन' के साथ, निर्माताओं को मुआवजे की उम्मीद थी लेकिन नवीनतम रिलीज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। आगामी सहयोग के बारे में विवरण गुप्त रखा गया है। टीजे ग्नानवेल द्वारा निर्देशित 'वेट्टैयन' में रजनीकांत ने एक बार फिर एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई। इससे पहले, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, फिल्म निर्माता ने फिल्म का प्रीक्वल बनाने के अपने इरादे पर विचार किया था। इस बात पर जोर देते हुए कि वह प्रीक्वल के माध्यम से फिल्म में रजनीकांत के किरदार अथियान के चरित्र का पता लगाना चाहते हैं। नानवेल ने साझा किया कि वह एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बनने की अपनी यात्रा दिखाना चाहते हैं।

बॉलीवुड

छत्तीसगढ़ के युवाओं की हिंदी फिल्म 'भोजली बाई' आईएफपी फेस्टिवल के सीजन 14 में नामांकित

छत्तीसगढ़ अंचल के नवोदित फिल्मकारों अनुराग निर्मलकर और हर्षवर्धन पटनायक की हिंदी फिल्म 'भोजली बाई' को आईएफपी फेस्टिवल के सीजन 14 में नामांकित किया गया। इस वर्ष विश्व के 36000 नामांकन में अपनी एमेच्योर कैटेगरी में 14 वां स्थान इस फिल्म 'भोजली बाई' को प्राप्त हुआ है। यह विश्व की विशालतम फिल्म निर्माण चैलेंज प्रतियोगिता है। इस फिल्म की अंतिम चुनाव प्रक्रिया के परिणाम अक्टूबर 13 को मुंबई में घोषित किए गये। जूरी सदस्यों में अमित शर्मा, देवाशीष मखीजा, कबीर खान, लिजो जोस पेलीसेरी और सोनी तारापूरेवाला हैं। निर्णायकों में नसीरुद्दीन शाह, कबीर खान (बजरंगी भाईजान के निर्देशक), देवाशीष मखीजा (जोरम फिल्म और कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्मों के निर्देशक) और अभिनेता सौरभ शुक्ला थे। इस फिल्म के डायरेक्टर अनुराग निर्मलकर (दुर्ग) और असिस्टेंट डायरेक्टर हर्षवर्धन पटनायक (सारंगढ़-भिलाईयन्स) हैं। इसके पहले हर्षवर्धन की फिल्म 'अननेम्ड्' ने अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में वाहवाही लूटी है। कई छत्तीसगढ़ी फिल्मों के इस कलाकार ने विगत दिनों 'जवानी जिंदाबाद' में अपने हास्य व करूण अभिनय से लोगों को रोमांचित किया है। वर्तमान में हर्षवर्धन, रामगोपाल वर्मा डरावने पिक्चर के डायरेक्टर के साथ मुंबई में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। ज्ञात हो कि हर्षवर्धन वीरेन्द्र पटनायक, वैगन रिपेयर शॉप (टी एंड डी), भिलाई इस्पात संयंत्र, वरिष्ठ छायाकार के सुपुत्र हैं।

स्पेस का फैशन

इस साल फैशन शो के जीवंत परिदृश्य में स्पेसवॉक थीम को पेश किया है लंदन फैशन वीक ने। अंतरिक्ष में फिलहाल तो कम लोग ही जा सकते हैं लेकिन वहां की वेशभूषा में फैशन को परिभाषित करना बुरा विचार नहीं है। यह थीम भारतीय दर्शकों को एक दिव्य क्षेत्र में ले जाने का वादा करती है जहाँ यह शैली विस्मयकारी ब्रह्मांड से मिलती है। यह थीम न केवल कल्पना को मोहित करती है, बल्कि सांसारिक परंपराओं को बाहरी अंतरिक्ष के रहस्यों के साथ मिलाकर भारतीय फैशन की विविधता का जश्न भी मनाती है।

घर पर ही तैयार करें बिना केमिकल वाला शैंपू

हर लड़की चाहती है कि उसके बाल कमर से भी लंबे हों और रेशम से लहराते रहें, लेकिन प्रदूषण की वजह से ऐसा हो पाना काफी मुश्किल हो जाता है। प्रदूषण के साथ-साथ बाहरी खान-पान भी बालों के डैमेज होने का एक बड़ा कारण है। इसी के चलते बालों को सही पोषण नहीं मिल पाता, जिस वजह से बाल झड़ने लगते हैं।

बालों की देखभाल के लिए ज्यादातर महिलाएं खूब महंगे-महंगे शैंपू भी इस्तेमाल करती हैं, लेकिन उसका भी कुछ ज्यादा लाभ उन्हें नहीं मिल पाता है। ऐसे में अगर केमिकल वाले शैंपू की वजह से आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं तो घर पर चार चीजों के इस्तेमाल से शैंपू तैयार करें।

यहां हम आपको घर पर ही शैंपू बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इस शैंपू को बनाने के लिए जिन चीजों का इस्तेमाल किया गया है, वो सभी बालों के लिए काफी लाभदायक हैं।

शैंपू बनाने की विधि

घर पर शैंपू बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको 5-6 रीठा, 2 चम्मच आंवला पाउडर, 5-6 शिकाकाई फली, और 1 चम्मच मेथी दाना की जरूरत पड़ेगी। शैंपू तैयार करने के इन सभी चीजों को 2-3 कप पानी में रात भर भिगोकर रखें। इसके बाद अगले दिन इसे धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक उबालें। कुछ समय के बाद मिश्रण को ठंडा होने दें, फिर इसे छानकर शैंपू की तरह इस्तेमाल करें। इसे 1-2 सप्ताह तक फ्रिज में स्टोर किया जा सकता है। नियमित रूप से इस शैंपू के इस्तेमाल से आपके बाल प्राकृतिक रूप से साफ और स्वस्थ रहेंगे।

ऐसे पहनें साड़ी, देखते ही पति देव हो जाएंगे खुश

साड़ी एक पारंपरिक परिधान है और आमतौर भारतीय महिलाएं रोजाना ही साड़ी पहनती हैं। ऐसे में महिलाओं के मन में इन दिनों यही सवाल घूम रहे हैं कि त्यौहारों और शादियों में आखिर कैसे साड़ी पहने कि आप और दिनों से अलग दिखें? तो चलिए जानते हैं कि आप अपनी पारंपरिक साड़ी पहनने के तरीके में बदलाव करके त्यौहारों और शादियों में अलग दिख सकती हैं।

इन दिनों त्यौहारों और शादियों का माहौल है। महिलाएं अपनी तैयारियों में जुटी है। महिलाओं ने शॉपिंग भी कर ली है और अब महिलाओं के दिमाग में यही सवाल घूम रहे हैं कि वह त्योहार के लिए कैसे तैयार हों। आमतौर पर महिलाएं इस दिन साड़ी या लहंगा पहनती हैं। ऐसे खास मौकों पर अगर आप कुछ अलग नजर आना चाहती हैं तो अपने रेगुलर साड़ी स्टाइल में बदलाव कर कुछ अलग ट्राई कर सकती हैं। जिससे आप बिलकुल अलग नजर आएंगी। चलिए आपको कुछ साड़ी पहनने के कुछ अलग स्टाइल्स के बारे में बताते हैं, जो आपके लुक को और निखारेगा।

रेट्रो लुक स्टाइल कॉइल्ड साड़ी

त्यौहारों और शादियों में आप रेट्रो लुक कॉइल्ट साड़ी ट्राई कर सकती हैं। ये आजकल महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसे कॉइल की तरह लपेटा जाता है। इस दौरान इस बात का ध्यान जरूर रखें कि नया कॉइल अपनी लास्ट कॉइल से कुछ इंच ऊपर आए। ऐसे साड़ी पहनने पर देखकर लगता है कि चलने में मुश्किल होगी, लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं है।

जलपरी स्टाइल साड़ी

अगर आप त्यौहारों और शादियों में कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो आप जलपरी स्टाइल साड़ी ट्राई कर सकती हैं। अगर आपकी बॉडी फिट है तो ये आप पर खूब जमेगी। इसके लिए आप जॉर्जेट, शिफॉन या किसी भी मुलायम फैब्रिक वाली साड़ी का चुनाव कर सकती हैं।

जैकेट के साथ साड़ी

वेलवेट या कढ़ाईदार जैकेट के साथ साड़ी भी त्यौहारों और शादियों में आप ट्राई कर सकती हैं।

बालों में गजरे की जगह लगाएं ये एक्सेसरीज, लुक दिखेगा अलग

त्यौहारों और शादियों का दिन हर भारतीय महिला के लिए बेहद खास होता है। इन दिनों में महिलाएं नए-नए कपड़े से लेकर गहने तक पहनती हैं। सजने के लिए बहुत सी महिलाएं बालों में गजरा लगाती हैं। ऐसे में अगर आप अलग दिखना चाहती हैं तो गजरे की जगह अलग अपने बालों में अलग तरह की हेयर एक्सेसरीज लगाएं। गोल्ड एक्सेसरीज

ऐसी एक्सेसरीज को आप घर पर ही तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको चार से पांच पेंडेंट चाहिए होंगे। इसे एक दूसरे में अटैच करके अपनी चोटी में लगाएं। ये आपको रॉयल लुक देने का काम करेगी। इसके साथ ज्वेलरी हल्की ही पहनें।

मिरर परांदा: कुछ अलग स्टाइल की एक्सेसरीज ट्राई करनी है तो ऐसी शीशे लगी हेयर एक्सेसरीज ट्राई करें। इसे आप चाहें तो चोटी में अटैच करें। अगर चोटी नहीं बनानी तो आप जूड़ा बनाकर इसे उसमें भी लपेट सकते हैं। जूड़े में लगाते वक्त आपको इसके नीचे का परांदा हटाना पड़ेगा।

नकली गजरा : अगर आपको गजरा लगाने का मन है, लेकिन असली फूलों का इस्तेमाल नहीं करना तो ऐसे नकली गजरे का इस्तेमाल आप कर सकती हैं। ऐसी हेयर एक्सेसरीज सिर्फ स्लीक बन के साथ ही अच्छी लगती है।

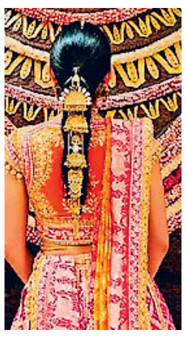

क्रोशिया स्क्रंची: आजकल लड़कियों को बालों में रबड़ बैंड बांधने की वजह स्क्रंची बांधना पसंद आता है। ऐसे में आप अपने लुक में स्क्रंची एड कर सकती हैं। इसके लिए अपने आउटफिट से मैचिंग क्रोशिया स्क्रंची का इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल आप बन बनाकर कर सकती हैं।

पारंपरिक परांदा: :अगर बाल लंबे हैं तो इससे बेहतर एक्सेसरीज तो कोई हो ही नहीं सकती। ऐसे में आप अपनी चोटी में इसी तरह का पारंपरिक परांदा लगा सकती हैं। इसे लगाने के बाद आपको गजरा लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

आसान स्टेप्स से घर पर ही करें फेशियल

बहुत सी महिलाएं तो पार्लर जाकर फेशियल कराती हैं, ताकि त्यौहारों और शादियों के दिन उनका चेहरा दमकता रहे। अगर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो आपको घर पर फेशियल करने का तरीका जरूर जानना चाहिए। घर पर फेशियल करने से आप पैसे और समय दोनों बचाएंगी।

क्लींजिंग : फेशियल का सबसे पहला और अहम स्टेप है क्लीजिंग। इस स्टेप के लिए आप एक माइल्ड फेस क्लींजर का इस्तेमाल कर सकती हैं। क्लींजर को चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में धीरे-धीरे मसाज करें। फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। चेहरा धोने के बाद चेहरे को रगड़े नहीं, बल्कि हल्के तौलिये से साफ करें।

स्क्रबिंग : फेशियल का दूसरा स्टेप है चेहरे को स्क्रब करना। इसके लिए आपको जेंटल स्क्रब की जरूरत पड़ेगी। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से बाजार में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर ये नहीं करना, तो घर पर ही स्क्रब तैयार करें। स्क्रब को चेहरे पर लगाकर 2-3 मिनट तक हल्के हाथों से रगड़ें। ध्यान रखें कि नाक और ठुड्डी के आसपास ज्यादा ध्यान दें, क्योंकि इन जगहों पर ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स ज्यादा होते हैं।

स्टीमिंग : अब बारी आती है स्टीमिंग है। इसकी मदद से चेहरा गहराई से साफ होता है। इसके लिए एक

बर्तन में गर्म पानी लें और सिर पर तौलिया डालकर भाप लें। आप चेहरे की स्टीमिंग 5-10 मिनट तक करें, इसके बाद पोर्स बंद करने के लिए ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे चेहरा अंदर तक साफ होगा।

मास्क : फेशियल करने के लिए सही मास्क का इस्तेमाल बेहद जरूरी होता है। ऑयली स्किन के लिए क्ले मास्क और ड्राई स्किन के लिए हाइड्रेटिंग मास्क सबसे अच्छा होता है। इस मास्क को 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे चेहरा खिल उठेगा।

टोनिंग : फेशियल में सही टोनर का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये त्वचा के पीएच स्तर को बैलेंस करता है और पोर्स को बंद करता है। एक कॉटन पैड पर टोनर लगाकर चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं।

कार्नर न्यूज

सिर्फ बालों को पीछे कर लेना स्टाइल नहीं बल्कि करना पड़ता है बहुत कुछ

'स्लिक हेयर बैक' स्टाइल के लिए करनी होती है खास तैयारी, कुछ खास टिप्स आएंगे आपके काम

'स्लिक हेयर बैक' में आपने कई नौजवानों को देखा होगा। लेकिन बालों को सिर्फ पीछे कर लेने से ही ये स्टाइल नहीं बन जाता है। बल्कि इसके लिए कुछ तैयारी भी करनी होती है। ताकि ये स्टाइल कुछ देर तक तो रुके ही। इसके लिए बालों को स्टाइल देने के दौरान भी कुछ टिप्स फॉलो करने होंगे। इतना ही नही ये स्टाइल देने के पहले भी कुछ टिप्स आजमा लिए जाएं तो ये स्टाइल कैरी करना आसान हो जाता है।

बालों को धोने के बाद इन्हें हवा में सूखने न दें। बल्कि इन्हें टॉवल से बस पोंछ दें। दरअसल हल्के गीले बालों में स्टेलिंग प्रोडक्ट अच्छे से एक्टिवेट हो पाते हैं।बाल ग्रीसी न हों, याद रखें क्योंकि बाल जितने ज्यादा ग्रीसी होंगे इनका स्टाइल उतनी ही जल्दी खराब होता जाएगा। इस हेयर स्टाइल के लिए बड़े दांतों वाला कंघा ही इस्तेमाल करें। इससे बाल आसानी से पीछे की ओर जाते हैं। अब कंघे को शुरू में रूट से पीछे की ओर

न ले जाएं। बल्कि शुरू में इन्हें बालों के अंत की ओर से चलाएं। इसके बाद धीरे-धीरे रूट से कंघा चलाना शुरू करें। अब बालों को थोडा आराम दें। ये कुछ देर में अपनी जगह सेट हो जाएंगे। बालों को पूरी तरह ब्लो ड्राय न करें। इससे बालों को स्ट्रेट होने में मदद मिलेगी। अब आप चाहें तो बालों को स्ट्रेट या अपनी जगह स्टिक रखने वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन प्रोडक्ट को बालों के बाहर की ओर लगाएं। इनको 15 से 20 सेकंड के लिए सेटेल होने दीजिए। अब अपने हाथों को बालों के ऊपर चलाएं ताकि प्रोडक्ट पूरे सिर पर आसानी से फैल सके। प्रोडक्ट के हाथों में लग जाने का डर है तो हल्के गर्म पानी में हाथों को डुबो लें और फिर बालों में प्रोडक्ट को डिस्ट्रीब्यूट करें। अब बालों में कंघे का इस्तेमाल करें। इसे फॉरहेड से पीछे की ओर ले जाएं। आप चाहें तो इन्हें ब्लो ड्राय कर सकते हैं। लेकिन बालों में बार-बार हाथ न लगाएं।

इसी तरह सिल्क रैप ट्रीटमेंट के बारे में शायद आपने ना सुना हो और आप यह सोच रही हों कि सिल्क रैप क्या है और बालों को सिल्क रैप कैसे करें? यह एक न्यू हेयर ट्रीटमेंट टेक्निक है, जो एक ही बार में आपके बालों को सिल्की और शाइनी लुक देता है।

पिछले कुछ समय में सिल्क रैप ट्रीटमेंट काफी पॉपुलर हुआ है, क्योंकि यह अन्य हेयर ट्रीटमेंट की तरह बालों को नुकसान नहीं पहुंचाता है। सिल्क रैप का उपयोग करके सीधे बाल प्राप्त करना आसान और सुरक्षित हो जाता है। साथ ही, इसमें कठोर रसायनों का इस्तेमाल करने की भी जरूरत नहीं पड़ती है। इसमें रैप का इस्तेमाल करके बालों को स्ट्रेट और स्मूद लुक दिया जाता है।

सिल्क रैप के फायदे

सिल्क रैप तकनीक करना बिल्कुल भी कठिन नहीं है, और आप अपने बालों को नुकसान पहुंचाए बिना एक बेहतरीन रिजल्ट पा सकती है। अगर आपके हेयर नेचुरल कर्ली हैं, तो प्रोसेस थोड़ा कठिन हो सकता है, लेकिन पहले से सीधे बालों या वेव्स हेयर पर इसे बेहद आसानी से किया जा सकता है। जिन महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घने और घुंघराले (कर्ली हेयर की ऐसे करें देखभाल)होते हैं, उन्हें सिल्क रैपिंग से काफी फायदा हो सकता है। यह कुछ ऐसा है जिसे घर में भी आराम में किया जा सकता है।